संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 155
पृष्ठ 8
शनिवार
22 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ब्लड शुगर का असली दुश्मन...

विचार- ट्रम्प का भारत विरोधी रवैया साफ

खेल- आईसीसी टूर्नामेंट और शमी एक-दूजे...

विकसित भारत के लिए हर क्षेत्र में सर्वोत्तम नेतृत्व जरूरी- मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए देश के हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में दिन–रात काम करने उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है जो वैश्विक सोच और स्थानीय विकास के विचार पर चले। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। उनके साथ भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी मौजूद थे। श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, "कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये कार्यक्रम सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव भी ऐसा ही आयोजन है। राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण।"

उन्होंने कहा कि यदि जन से जगत तक किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन लीडर्स का विकास बहुत जरूरी है और समय की मांग है। इसलिए सोल की स्थापना श्विकसित भारतश की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा, "स्वामी विवेकानंद भारत को गुलामी से बाहर निकालकर भारत को परिवर्तित करना चाहते थे और उनका विश्वास था कि अगर सौ लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है। आज हर भारतीय, 21वीं सदी के श्विकसित भारतश के लिए दिन–रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है।"

उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता के लिए हमारी लड़ाई से बेहतर साझा उद्देश्य का कोई उदाहरण नहीं हो सकता...आज, हमें स्वतंत्रता की भावना को पुनर्जीवित करना होगा और इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना होगा...यदि आप स्वयं को विकसित करते हैं, तो आप व्यक्तिगत सफलता का अनुभव कर सकते हैं। यदि आप एक टीम विकसित करते हैं, तो आपका संगठन विकास का अनुभव कर सकता हैय और यदि आप नेताओं को विकसित करते हैं, तो आपका संगठन बहुत तेजगति से प्रभावी विकास कर सकता है।"

उन्होंने कहा, "हमें अपने शासन और नीति–निर्माण को विश्वस्तरीय बनाना होगा। यह तभी संभव होगा जब हमारे नीति–निर्माता, नौकरशाह, उद्यमी वैश्विक आधार प्रणाली से जुड़कर अपनी नीतियां बनाएंगे... अगर हमें श्विकसित भारतश बनाना है, तो हमें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ना होगा... हमें न केवल उत्कृष्टता की आकांक्षा करनी होगी बल्कि उसे हासिल भी करना होगा।"

श्री मोदी ने कहा कि प्रगति का लक्ष्य रखने वाले किसी भी देश को न केवल प्राकृतिक संसाधनों बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। 21वीं सदी में, हमें ऐसे संसाधनों की आवश्यकता है जो नवाचार और कौशल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकें। हर क्षेत्र में कौशल की आवश्यकता होती है, और नेतृत्व विकास कोई अपवाद नहीं है – यह नई क्षमताओं की मांग करता है। हमें वैज्ञानिक रूप से नेतृत्व विकास में तेजी लानी चाहिए और सोल, इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस विकास को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए, हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थान इस परिवर्तन में गेम–चेंजर हो सकते हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता हैं। आने वाले समय में जब हम कूटनीति से प्रौद्योगिकी नवान्वेषण तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे तो सारे क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ेगा। यानी एक तरह से भारत का पूरा विजन और भविष्य नयी पीढ़ी की एक मजबूत लीडरशिप पर निर्भर होगा, इसलिए हमें वैश्विक सोच और स्थानीय विकास के साथ आगे बढ़ना है। श्री मोदी ने कहा कि हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करने की जरूरत है जो भारतीय मानसिकता के साथ अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को समझते हों। इन नेताओं को रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्यवादी सोच में उत्कृष्टता प्राप्त करनी चाहिए। वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को समझते हों। यह सोल का कार्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज भूटान के राजा का जन्मदिन है और हमने स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप के पहले संस्करण का उद्घाटन किया है, यह एक बहुत अच्छा संयोग है... मैं सोल जैसी संस्था के लिए बहुत उज्ज्वल भविष्य देखता हूं क्योंकि ऐसे महान नेताओं ने इसकी नींव रखी है... मुझे युवाओं से बहुत उम्मीदें हैं और मैं हमेशा उनके लिए कुछ करने के तरीकों की तलाश में रहता हूं।"

इससे पहले भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने अपने संबोधन में कहा, "प्रधानमंत्री। मेरे बड़े भाई, जब भी मुझे आपसे मिलने का अवसर मिलता है तो मैं खुशी से झूम उठता हूं... मेरे गुरु, जब भी मैं आपसे मिलता हूं, मैं एक लोक सेवक के रूप में और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित होता हूं... स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिमाग की उपज है और यह प्रामाणिक नेताओं को पोषित करने और उन्हें भारत के महान गणराज्य की सेवा करने के लिए सशक्त बनाने की प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।" तोबगे कहते हैं, श्मैं शुरू से ही यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैंने नेतृत्व के बारे में कोई पाठ नहीं सीखा है, मैं शायद ही इसके लिए योग्य हूं, मैं यहां एक छात्र के रूप में आया हूं। यह एक आदर्श अवसर है क्योंकि मैं दुनिया के सबसे महान नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नेतृत्व के बारे में सीखूंगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी, मैं आपमें एक बड़े भाई की छवि देखता हूं, जो हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते हैं और मेरी मदद करते हैं...प्रधानमंत्री, मेरे बड़े भाई, आपने अपनी बुद्धि, साहस और कुशल नेतृत्व से केवल 10 वर्षों में भारत को प्रगति के रास्ते पर ला दिया है।"

बेहतर तालमेल से लोगों को दें केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ-बिरला

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विभागीय अधिकारी बेहतर तालमेल के साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाकर राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। श्री बिरला बूंदी जिले में संचालित योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तथा अब तक अर्जित प्रगति की गुरूवार को कोटा जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जिले में संचालित विकास कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें ताकि आमजन को इनका लाभ मिल सके। उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज के माध्यम से संचालित योजनाओं व कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सांसद एवं विधायक कोष से स्वीकृत कार्य शीघ्र शुरू हो, तय समय में पूरे किए जाएं।

वर्ष 2029 तक यूपी बनेगा एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था -मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि वर्ष 2029 तक उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा। श्री योगी ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सपा सदस्य रागिनी सोनकर के एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा "मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी भी बनेगा और देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा।" योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर की मासिक समीक्षा की जाती है और मुख्यमंत्री स्वयं तिमाही समीक्षा करते हैं।

आमंत्रण

शहर समता विचार मंच

(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)

सम्मान समारोह,काव्यगोष्ठी एवं लोकार्पण -

'आधी दुनिया की कलम बोलती है'

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025

स्थान - हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज

24 फरवरी 2025 दिन में 2 बजे से

अध्यक्षता - श्रीप्रकाश मिश्र

मुख्य अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा

विशिष्ट अतिथि - प्रो. रवि कुमार मिश्रा, प्रो. सुनील विक्रम सिंह, डॉ अरुण कुमार मिश्र

अध्यक्ष
के के गुप्ता

कार्यक्रम संयोजक
संजय सक्सेना,
अरविन्द पाण्डेय

संपादक एवं सचिव
उमेश श्रीवास्तव
प्रयागराज

कार्यालय - 289 /238 ए (अनंत भवन) कर्नलगंज प्रयागराज, 211002

मुक्त विवि के छात्र अब पढ़ेंगे ब्रज, बुंदेलखंडी, भोजपुरी और अवधी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ऐतिहासिक पहल करते हुए एमए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2025 में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले छह माह से लगातार कार्य कर रहा है। कुलपति ने उत्तर प्रदेश राज्य की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारंभ की है। प्रो. सत्यकाम ने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। एनईपी के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है। कुलपति ने बताया कि इसी कड़ी में मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार–मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा।

रिक्त पदों पर चयन की घोषणा न होने से युवाओं में नाराजगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गुरुवार को विधानसभा में प्रस्तुत बजट में प्रदेश में सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के संबंध में किसी तरह की घोषणा न करने से युवाओं में गहरी नाराजगी है। युवा मंच जिला संयोजक जय प्रकाश यादव ने कहा कि बजट भाषण में अराजपत्रित 92 हजार भर्तियों का उल्लेख किया गया है जो कि प्रक्रियाधीन हैं। इसमें कोई नयी भर्ती का विज्ञापन शामिल नहीं है। प्रक्रियाधीन भर्तियों के बारे में भी सुस्पष्ट घोषणा नहीं की गई है कि इन्हें कब तक पूरा कर लिया जाएगा। शिक्षा बजट शेयर में की गई कमी की भी युवा मंच ने आलोचना की है। 2025–26 का प्रस्तावित बजट 8.87 लाख करोड़ रुपए है। 2024–25 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद 27.51 लाख करोड़ रुपए का अनुमानित है जो कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में 25.48 लाख करोड़ थी। एक वर्ष में अर्थव्यवस्था में करीब दो लाख करोड़ रुपए की वृद्धि है। यह सामान्य बढ़ोतरी दर्शाता है। अगर मुद्रास्फीति के सापेक्ष देखें तो अर्थव्यवस्था स्थिर है। उलटे प्रदेश में कर्ज भी बढ़कर रिकॉर्ड 8.87 लाख करोड़ पहुंच गया है।

राजकीय संस्कृत विद्यालय के लिए 13 करोड़ मंजूर

प्रयागराज। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निर्माणाधीन दस नए राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के लिए प्रदेश सरकार ने बजट में 13 करोड़ का प्रावधान किया है। गुरुवार को प्रस्तुत बजट में माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए 20 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। उत्तर मध्यमा (12वीं) स्तर तक के नए संस्कृत माध्यमिक स्कूलों का निर्माण जिन दस जिलों में हो रहा है उनमें वाराणसी, रायबरेली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, जालौन में उरई, अमेठी, मुरादाबाद, एटा व हरदोई शामिल है। वर्तमान में पूरे प्रदेश में मात्र एक राजकीय माध्यमिक और एक राजकीय महाविद्यालय संचालित है।

महाकुंभ आ सकते हैं रक्षामंत्री राजनाथ और सीएम योगी, 23 फरवरी प्रयागराज में रहेंगे पांच घंटे

प्रयागराज। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 फरवरी को प्रयागराज आ सकते हैं। महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रक्षामंत्री का कार्यक्रम प्रस्तावित है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग

पांच घंटे तक शहर में रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में शिरकत के साथ ही वह मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सकते हैं और महाशिवरात्रि के आखिरी स्नान पर्व की तैयारियों की समीक्षा बैठक भी ले सकते हैं। रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मेला कार्यालय में अफसरों ने तैयारियों को तेज कर दी है। सीएम ने इस बार सभी प्रमुख स्नान पर्वो की तैयारी की खुद समीक्षा की है। महाशिवरात्रि के स्नान पर्व के पहले एक बार फिर भीड़ का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में सीएम समीक्षा कर अफसरों को जरूरी निर्देश देंगे। डीएम । डीएम महाकुम्भका कहना है कि अभी अंतिम तौर पर कार्यक्रम आया नहीं है।

महाकुम्भ में चार विश्व रिकॉर्ड बनाए जाने हैं। नदी स्वच्छता का एक विश्व रिकार्ड 14 फरवरी को बन चुका है। जबकि सड़क स्वच्छता का दूसरा रिकॉर्ड 24 फरवरी और 25 फरवरी को शटल बसों के संचालन का और हैंड प्रिंटिंग का रिकॉर्ड बनाया जाना है। इसकी रिपोर्ट भी सीएम के सामने रखी जाएगी। महाकुंभ में जहां एक ओर आम श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। वहीं, गुरुवार को पूरे दिन वीआईपी भी खूब आए। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री सजय श्रीसत, मध्य प्रदेश के मंत्री नागर सिंह चौहान, महाराष्ट्र के विधायक आशीष शेलार, हिमाचल प्रदेश की गवर्नर जानकी शुक्ला, पंजाब सरकार के मुख्य सचिव केपी सिंह, हरियाणा की मुख्य सचिव सुमित्रा मित्रा ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। एडीएम महाकुंभ विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि हिंदुजा ग्रुप, जीएमआर ग्रुप, वेदांता ग्रुप के मुखिया भी यहां पर परिवार के साथ आए और पुण्य की डुबकी लगाई। संगम तट पर स्नान करने के बाद वीआईपी मेहमानों ने यहां की व्यवस्थाओं के बारे में भी अफसरों से पूछताछ की।

'स्नान योग्य ही नहीं, अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध है गंगा का जल', वैज्ञानिक ने दावों को बताया झूठा

प्रयागराज। गंगा के जल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों के दावों को वैज्ञानिक ने झूठा बताया है। पद्मश्री अजय सोनकर ने पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच की है। उन्होंने कहा कि स्नान योग्य ही नहीं, गंगा का जल अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध है। महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवाल किए जा रहे हैं। इसी बीच देश के जाने–माने पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है।

संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 57 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है।

मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने भी संदेह हो, वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की।

गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा

मोती उगाने की दुनिया में जापानी वर्चस्व को चुनौती देने वाले शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि लगातार तीन महीने के शोध में यह साबित किया है कि गंगा जल

वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है।

गंगा का जल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक

सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने

इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है, बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ।

गंगा जल को लेकर भ्रम पैदा करने वाले सभी दावों को किया खारिज

कुछ संस्थाओं और लोगों ने भ्रम फैलाया कि गंगा जल आचमन और स्नान अयोग्य नहीं है। जिसे डॉ. सोनकर के शोध ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

कौन हैं शीर्ष वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर

प्रयागराज नैनी निवासी स्वतंत्र शोधकर्ता व शीर्ष वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर है। कृत्रिम रूप से मोती उगाकर उन्होंने पूरे देश के वैज्ञानिकों को चकित किया था। एक माह पहले केंद्र सरकार ने पद्मश्री के लिए इन्हें नामित किया है।

शिवरात्रि के लिए ट्रैफिक की रणनीति में बदलाव... सात प्रमुख मार्गो पर तैनात किए सात वरिष्ठ अफसर

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पर्व पर जनपद में ट्रैफिक की व्यवस्था सुचारू हो, इसके लिए रणनीति में बदलाव किया गया है। जनपद की ओर आने वाले सात प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने के लिए सात वरिष्ठ

पुलिस अफसरों को इन मार्गों पर तैनात किया गया है।

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को यह बातें कहीं। वह शुक्रवार को मेला क्षेत्र में पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जनपद

की ओर आने वाले सात प्रमुख मार्गों पर ऐसे बिंदु चिन्हित किए गए हैं जहां पर जाम लगता है या ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होने पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। इन प्वाइंटों पर पुलिस के सात वरिष्ठ अफसरों को तैनात किया गया है।

यह अफसर अपने–अपने

रूट की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालेंगे और उच्चाधिकारियों से कोऑर्डिनेट कर जनपद में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुचारू बनाएंगे। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर शुक्रवार को मेला और प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस के अफसरों संग विस्तृत चर्चा भी की गई है। स्नान करते वीडियो अपलोड करने के मामले में तीन केस

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि स्नान करते वीडियो अपलोड करने के मामले में अब तक तीन एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। ऐसे लोगों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा महाकुंभ को लेकर भ्रामक सूचना फैलाने के मामले में 55 से 60 मुकदमे दर्ज किया जा चुके हैं। इन अकाउंट के संचालकों को भी चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

महाकुंभ में 24 और 25 को बनेंगे तीन नए कीर्तिमान.. नदी स्वच्छता का पहले ही बन चुका विश्व रिकार्ड

प्रयागराज। महाकुंभ में 24 और 25 को तीन नए कीर्तिमान बनेंगे। नदी स्वच्छता का पहले ही विश्व रिकॉर्ड बन चुका है। अब 2019 में बने अपने तीनों रिकॉर्ड को ही मेला प्रशासन तोड़ेगा।

आस्था के जनज्वार के बीच 24 और 25 फरवरी को महाकुंभ में तीन नए विश्व कीर्तिमान बनेंगे। खास यह कि मेला प्रशासन तीनों अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ेगा, जो कुंभ 2019 में बनाए गए थे। मेला प्रशासन की ओर से महाकुंभ 2025 में चार विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना बनाई गई है। इनमें से नदी स्वच्छता का रिकॉर्ड 14 फरवरी को बन चुका है। उस दिन 300 से अधिक स्वच्छता कर्मियों ने एक साथ नदी की सफाई करने का रिकॉर्ड बनाया।

इसके अगले दो दिनों में स्वच्छता एवं हैंड प्रिंटिंग का भी रिकॉर्ड बनाने की योजना बनाई गई थी लेकिन भीड़ को देखते हुए इसे स्थगित कर दिया गया। इससे पहले एक हजार ई–रिक्शा संचालन का रिकॉर्ड बनाने का कार्यक्रम भी भीड़ को देखते हुए टाल दिया गया था।

स्नानार्थियों का रेला अब भी

बना हुआ है लेकिन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान के साथ महाकुंभ का भी समापन हो जाएगा। ऐसे में इससे पहले ही रिकॉर्ड बनाए जाने की योजना बनाई गई है। इसके तहत 24 फरवरी को स्वच्छता का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। मेला प्रशासन की ओर से कुंभ 2019 में 10 हजार सफाई कर्मियों को एक साथ सड़क पर उतारकर स्वच्छता का रिकॉर्ड बनाया गया था। इस बार इसी रिकॉर्ड को तोड़ा जाएगा। 24 फरवरी को 15 हजार स्वच्छता कर्मचारी एक साथ सफाई अभियान चलाएंगे। इसके लिए उन मार्गों को चुना

जाएगा जिन पर स्नानार्थियों का आवागमन पहले से प्रतिबंधित हैं। इनमें अरैल में हेलीपैड मार्ग, परेड में लाल सड़क आदि शामिल हैं। इसके अलावा अखाड़े चले गए हैं। ऐसे में अखाड़ा मार्ग पर भी सफाई कराने की तैयारी है। इसके अगले दिन 25 फरवरी को हैंड प्रिंटिंग एवं शटल बस संचालन के रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। इसके तहत गंगा पंडाल तथा अन्य प्रमुख स्थलों पर कैनवास लगाकर 10 हजार से अधिक लोगों के हैंड प्रिंट लिए जाएंगे। मेला प्रशासन की ओर से कुंभ 2019 में साढ़े सात हजार लोगों के हैंड प्रिंट लेने का रिकॉर्ड

बनाया गया था। इस तरह से मेला प्रशासन इस बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा।

25 फरवरी को ही शटल बसों के संचालन का भी विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। कुंभ 2019 में 500 बसों के संचालन का रिकॉर्ड बनाया गया था। वहीं इस बार साढ़े पांच सौ से अधिक शटल बसों के संचालन की योजना बनाई गई है। इसके लिए परिवहन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। मेला प्रशासन की ओर से पूर्व में एक साथ एक हजार ई–रिक्शा संचालन का विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना बनाई गई थी।

एकता के मेले में धड़ों में बंटा दिखा संतों का संसार

महाकुम्भ नगर। समाज को एकता का संदेश देने वाले संत इस महाकुम्भ में धड़ों में बंटे दिखाई दिए। यह विवाद पूरी दुनिया के सामने आया। शंकराचार्यों का पीठ पर काबिज होने का विवाद हो या फिर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और दंडी संन्यासियों व किन्नर समुदाय का विवाद भी चर्चा में रहा। महाकुम्भ 2025 अब समाप्ति की ओर है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ ही आधिकारिक तौर पर इसका समापन हो जाएगा। लेकिन यह मेला सदियों तक याद किया जाएगा। याद करने का पहला कारण तो सबसे बड़ा आयोजन होना है। जिसमें अब तक के सर्वाधिक श्रद्धालु पहुंचे और स्नान किया। वहीं संतों के विवाद भी इस मेले को याद करने का बड़ा कारण बना रहेगा। शंकराचार्यों की बात करें तो ज्योतिष्पीठ का विवाद किसी से छिपा नहीं है। हालांकि इस बार प्रशासन ने समझदारी दिखाते हुए दोनों पक्षों को अलग–अलग जमीन आवंटित कर मामले को ज्यादा तेज नहीं होने दिया।

'देव सत्ता के अस्तित्व के सामने झुकना ही पड़ेगा...', खास बातचीत में बोले स्वामी यतींद्रानंद गिरि

प्रयागराज। जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने कहा कि कुंभ भारत की सनातन परंपरा है। कुंभ का प्रारंभ सृष्टि के आदि से है। समुद्र मंथन से कुंभ का श्रीगणेश है और यह साक्षात जीता जागता प्रमाण है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति परंपरा कितनी पुरातन कितनी समृद्ध और कितनी उन्नत विकासशील थी। इस बार का महाकुंभ हर मायने में अद्वितीय है। वास्तव में आस्था का महासमुद्र उमड़ पड़ा। इतनी बड़ी व्यवस्था को संभाल पाना किसी सरकार अथवा मनुष्य की शक्ति के बाहर है। इसके लिए हमें देव सत्ता के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए श्रद्धा से सिर झुकाना ही पड़ेगा। यह कहना

है जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि का। बातचीत के प्रमुख अंश...

महाकुंभ के आकर्षण का क्या कारण है?

2019 के कुंभ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य और दिव्य कुंभ बना दिया। तब से पूरे विश्व में कुंभ का आकर्षण चर्चा का विषय बन गया। कुंभ भारत की सनातन परंपरा है। कुंभ का प्रारंभ सृष्टि के आदि से है। समुद्र मंथन से कुंभ का श्रीगणेश है और यह साक्षात जीता जागता प्रमाण है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति परंपरा कितनी पुरातन कितनी समृद्ध और कितनी उन्नत विकासशील थी। वसंत के बाद कुंभ लगभग पूर्ण जैसा हो जाता था किंतु इस बार ऐसा नहीं हुआ अनवरत श्रद्धालु भक्तजन प्रयाग संगम की ओर उमड़ रहे हैं आखिर कुछ तो है इस बार के इस महाकुंभ में।

महाकुंभ की सफलता पर आपका क्या कहना है?

लगभग 56 करोड़ श्रद्धालु भक्तजन स्नान कर चुके हैं। यह संसार की महानतम सफलता मानी जाएगी अपने इस वैश्विक रिकॉर्ड को आने वाले समय में कुंभ ही तोड़ सकेगा अन्य कल्पना करना भी संभव नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2025 के इस महाकुंभ को अब तक का कुछ विशेष कुंभ बनाने का संकल्प और चुनौती स्वीकार करते हुए पूरे विश्व को खुला आमंत्रण दिया। उसकी तैयारी प्रचार प्रसार किया जिसका परिणाम भी धीरे–धीरे कल्पना से भी अधिक होने लगा।

अव्यवस्थाओं पर आपका क्या कहना है?

प्रारंभ में कुंभ की व्यवस्था को लेकर सरकार और मेला प्रशासन दोनों अति उत्साह आत्मविश्वास ओवर कॉन्फिडेंस में थे। लगता था की जो प्रशासन व्यवस्था नियुक्त की है वह कुंभ संपादित कर लेगी किंतु मकर संक्रांति के स्नान में थोड़ी अव्यवस्था हुई जो संकेत थी कि बहुत कुछ अभी करना बाकी है क्योंकि कुंभ केवल मनुष्यों का नहीं होता कुंभ में देव सत्ता भी उपस्थिति रहती है। यक्ष, गंधर्व, नाग तथा इस ब्रह्मांड के महानतम योगीजन महातपस्वी इन सभी की उपस्थिति ही कुंभ है।

प्रशासन के ऊपर भेदभाव के आरोप भी लगे

साधारण व्यवस्था में रह रहे तपस्वी संत को क्या आदर, सत्कार, व्यवस्था दे पा रहे हैं? क्योंकि इन सभी की प्रसन्नता और आशीर्वाद से ही कुंभ की व्यवस्था संपन्न और सफल होती है। प्रशासन को लगता रहा कि कुछ विशेष राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव संपन्न साधु संत ही विशेष होते हैं।

महाकुंभ में बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, पांच दिन में 212 स्पेशल समेत 1569 ट्रेनें चलीं

प्रयागराज। श्रद्धालुओं का रेला 16 फरवरी को ऐसा उमड़ा कि अगले चार दिन तक रेलवे स्टेशन पर आपात प्लान लागू करना पड़ा। श्रद्धालुओं की भीड़ को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए तीनों जोन के रेलवे ने आठ स्टेशनों से ऑन डिमांड ट्रेनें चलाई। प्रयागराज जंक्शन के साथ प्रयाग, फाफामऊ, रामबाग, झुंसी, सूबेदारगंज, नैनी और छिवकी रेलवे स्टेशन से मेला विशेष एवं नियमित गाड़ियों सहित 1569 गाड़ियों का संचालन कर श्रद्धालुओं की यात्रा सुलभ कराई गई। गुरुवार रात आठ बजे तक 212 मेला विशेष एवं नियमित गाड़ियों का परिचालन किया गया। प्रयागराज परिक्षेत्र के सभी आठ स्टेशनों से इतनी बड़ी संख्या में नियमित एवं विशेष गाड़ियों के संचालन के लिए रेलवे की ओर से सतत निगरानी के माध्यम से यह कार्य किया जा रहा है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि पूर्व दी गई सूचना के आधार में कुछ गाड़ियों को मार्ग परिवर्तित करके चलाया जा रहा है, जबकि कुछ गाड़ियों का टर्मिनल स्टेशन प्रयागराज की जगह सूबेदारगंज किया गया है।

क्रांतिकारियों की याद मे स्मारक बनवाने की गणमान्यों ने की मांग

भोकरहेड़ी मे चार सदी पूर्व तैमूर की सेना से लोहा लेने वालों व आजादी की लड़ाई मे फांसी खाने वालों की याद मे स्मारक बनवाने की मांग

मुजफ्फरनगर सकस्बा भोकरहेड़ी का इतिहास दस सदी पुराना है। राजा भोज के शासन काल मे आबाद हुए गांव का इतिहास बड़ा गौरवशाली है।राजा तैमूर लंग की सेना से लोहा लेने व 1857 की मेरठ क्रांति मे थाना व तहसील को आग लगाकर फांसी खाने वाले क्रांतिकारियों की याद मे स्मारक बनवाने की माँग कस्बावासियो ने की है।

मुजफ्फरनगर जिले की नगर पंचायत भोकरहेड़ी के गणमान्य व्यक्तियों ने कस्बे मे शहीद स्मारक बनवाने की मांग की है।कस्बा निवासी रामपाल सिंह नेता जी बताया की परमार वंश के राजा भोज के शासन काल 1010 से 1055 के मध्य भोजरहेड़ी गांव का आबाद होना बताया जाता है। राजा भोज के नाम पर गांव भोजरहेड़ी पड़ा था, जो कालांतर मे भोकरहेड़ी हो गया। कस्बे के वरिष्ठ नागरिक चौधरी रामपाल सिंह ने बताया की वह कस्बे के

इतिहास को पूर्वजों से प्राप्त जानकारी के आधार पर संकलित किये हुए हैं। कस्बे मे महानवीरों ने जन्म लिया।1857 की क्रांति मे कस्बे मे स्थित तहसील व थाना कार्यालयों को जला दिया गया था। इस आंदोलन का नेतृत्व काजी अजमत अली द्वारा किया गया था। जिसके बाद घटना को अंजाम देने के जुर्म मे क्रन्तिकारी अजमत अली को फांसी की सजा दी गयी थी। तथा तत्कालीन जिलाधिकारी ने कस्बे की जनता पर एक भारी जुर्माना घोषित कर दिया था।इस बड़े जुर्माने को चौधरी बख्शीराम व सेठ मनीराम द्वारा क्विंटलस के वजन मे चांदी के सिक्के देकर अदा किया गया था। कस्बे मे स्थित प्राचीन सिद्धपीठ बाबा गरीबनाथ आश्रम मे 1932 मे हुई खुदाई मे हनुमान जी की हजारों वर्ष की प्राचीन मूर्तीयाँ मिली थी। 1826 मे कस्बे मे तहसील, थाना व परगना मुख्यालय स्थापित किये गये थे। जिन्हे 1857 की क्रांति मे जला दिया गया था। क्रान्तिकारियो की याद मे कस्बे मे स्मारक की स्थापना अवश्य होनी चाहिए। वहीं जनपद के इतिहास के पन्नो पर दर्ज उल्लेख मे कस्बे का इतिहास भी दर्ज है जिसमें फारसी साहित्य मे भारत पर तैमूर के आक्रमण 1399 के दौरान एक जगह का विरोध गंगा किनारे हुआ ओर वह स्थान भोकरहेड़ी है

पूर्व चेयरमैन राजेश कुमार ने बताया की कस्बे मे शहीदों का स्मारक बने यह प्रयास शुरू किये जायेगें। वरिष्ठ नागरिक काजी मौ. आकिल ने बताया की काजी अजमत अली महान स्वतंत्रता सेनानी थे। स्वतंत्रता के बाद उनके परिजनों ने देश भक्ति का परिचय देते हुए। उनके नाम पर किसी भी सहायता को लेने से यह कहकर इनकार कर दिया था की उनके पूर्वज ने देश के लिए बलिदान दिया था न की किसी आर्थिक मदद के लिए 1970 तक ब्रिटिश कालीन कार्यालयों के अवशेष मोहल्ले के चौक पर रखे रहे।

भाजपा नेता चौधरी बृजवीर सिंह का कहना है की युवा पीढ़ी को कस्बे के गौरवशाली इतिहास का स्मरण कराने के लिए कस्बे मे क्रन्तिकारियो की याद मे स्मारक अवश्य बनना चाहिए। चेयरमेन पुत्र सचिन कुमार वामन ने बताया की कस्बे मे शहीद स्मारक बनाने को शीघ्र ही कार्य योजना अमल मे लाई जायेगी।सभासद पति अंकुर, अजय कुमार,अनुज कुमार, रामबीर सिंह,सभासद मुस्तकीम अब्बासी, डॉ. अलीशेर अंसारी, सभासद राहुल गर्ग आदि ने कस्बे मे शहीद स्मारक बनाने की मांग प्रशासन से की है।

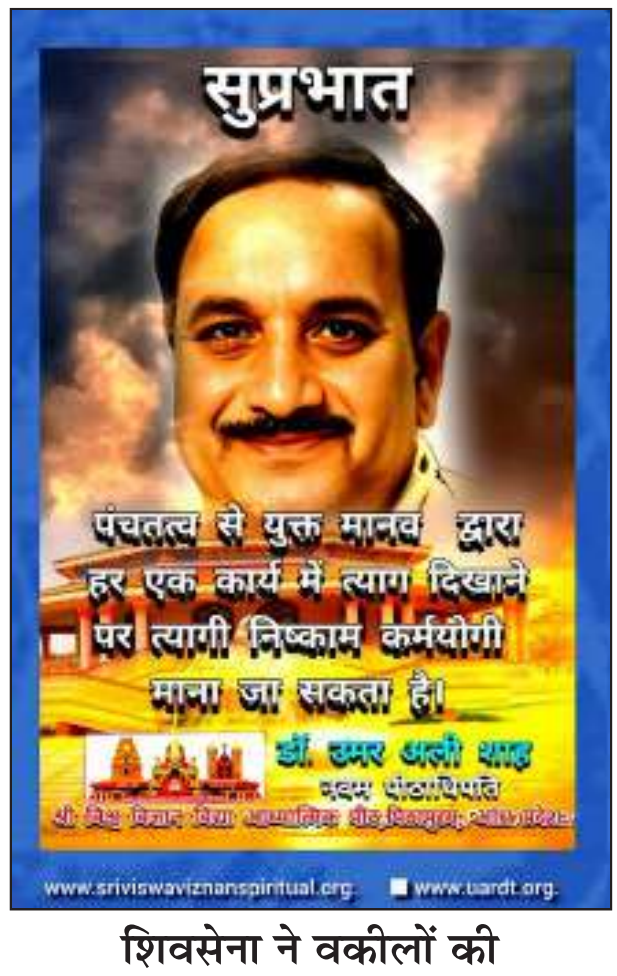

लिप्टिस के पेड़ पर चढ़े तेन्दुए ने मोरना मे फैलाई दहशत

मोरना समोरना के जंगल मे तेंदुए की आमद से किसानो मे दहशत फैल गयी। पेड़ पर चढ़े बैठे तेन्दुए की सूचना वन विभाग को दी गयी। वन विभाग की टीम के पहुंचने के पूर्व तेंदुआ वहां से फरार हो गया। ग्रामीणों ने तेन्दुए को पकड़ने की गुहार प्रशासन से लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना निवासी अनिल कुमार ने बताया की गुरुवार की शाम उसका भाई नरेन्द्र

मोरना व दरियाबाद गांव की सीमा पर जंगल मे स्थित अपने खेत मे गन्ने की छिलाई का कार्य कर रहा था अन्य व्यक्ति भी इस कार्य मे जुटे हुए थे की अचानक एक तेंदुआ वहां आया ओर लिपटिस के पेड़ पर चढ़ गया। जिसे देखकर सभी डर गये।नरेंद्र ने अपने भाई अनिल को इसकी जानकारी दी। अनिल ने ग्राम प्रधान सर्वेन्द्र राठी को सूचना दी। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम के दरोगा नन्द किशोर शर्मा व अमित कुमार ने मौके का निरिक्षण किया। नन्द किशोर शर्मा ने बताया की लिपटिस के पेड़ पर तेन्दुए जैसे जानवर के फुट मार्क मिले हैं।सेंचुरी क्षेत्र जंगली जानवरो के लिए सुरक्षित किया गया है। जो सम्भव उपाय होंगे किये जाएंगे। वहीं जंगल मे तेन्दुए की उपस्थिति को लेकर किसानो मे भय व्याप्त है। किसानो ने तेन्दुए को पकड़वाने की गुहार लगाई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष व भाजपाईयों ने सैनिक को दी श्रद्धांजलि

मोरना ससशस्त्र सीमा बल के जवान प्रशांत पाल की बुधवार को सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई थी। जवान की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। शुक्रवार को आयोजित शोक सभा मे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल व भाजपाईयों द्वारा मृतक सैनिक के चित्र सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। थाना भोपा क्षेत्र के कस्बा भोकरहेडी के मौहल्ला कुआंपट्टी निवासी 28 वर्षीय प्रशांत पाल 2021 में सशस्त्र सीमा बल में सैनिक के रूप में भर्ती हुआ थे । वर्तमान में प्रशांत पाल की

तैनाती लखीमपुर जनपद के पलिया में थी। आगामी 25 फरवरी को प्रशांत की बारात सरधना में जानी थी।बीते बुधवार की दोपहर प्रशांत की भोकरहेडी बसेडा मार्ग पर सडक दुर्घटना में मौत हो गई थी।शुक्रवार की सुबह आयोजित शोक सभा मे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित कर मृतक जवान के पिता सत्यपाल सिंह, माता रोशनी देवी, भाई विशांत पाल, ताऊ सतवीर पाल, दादा मामचंद पाल और सुखवीर पाल से मिलक उन्हें ढांढस बँधाई।

सामूहिक विवाह संस्कार संपन्न 204 जोड़े एक साथ विवाह बंधन में बंधे

विश्वनाथ, असम सअसम राज्य के जिला विश्वनाथ में सामूहिक विवाह संस्कार के द्वारा 18 फरवरी (मंगलवार) को 204 जोड़े विवाह के बंधन में बंध गए। वैदिक रीति–रिवाज व नाम कीर्तन अनुष्ठान के साथ 204 जोड़े जीवनभर के लिए एक–दूसरे के हो गए।उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति , जनकल्याण संस्थान जयपुर, धर्म जागरण समन्वय और विश्वनाथ जिला विवाह समिति के सौजन्य में विश्वनाथ चारिआलि के कमलाकांत क्षेत्र वाकिंग

घ्जोन में सामूहिक विवाह संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया। बिश्वनाथ, बिहाली, गोहपुर, नदुवार और जिले के अन्य हिस्सों से 204 जोड़े ऐसे हैं जो विभिन्न कारणों से विवाह संस्कार से वंचित रह गए हैं जिसे सामाजिक विवाह कराया गया। विवाहिक जोड़े को उपाहार और वृक्ष भी प्रदान किए गए।

निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' का तृतीय चरण' 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन की ओर एक सार्थक कदम'

शुक्रताल में आयोजित होगा 23 फरवरी को स्वच्छता अभियान

मुजफ्फरनगर। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 23 फरवरी 2025 को परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में यमुना नदी के छठ घाट, आई.टी.ओ. , दिल्ली पर किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके।

उक्त जानकारी देते हुए जिला संयोजक हरीश कुमार एवं मीडिया सहायक सुशील कुमार 'अंश' ने बताया कि इसी श्रृंखला में प्रोजेक्ट अमृत के अन्तर्गत सन्त निरंकारी मिशन की ब्रांच–मुजफ्फरनगर में ''स्वच्छ जल –स्वच्छ मन'' का यह स्वच्छता अभियान शुक्रताल में प्रवाहित जीवन व मोक्षदायिनी गंगा–तट पर 23 फरवरी 2025 दिन रविवार को प्रातः 7:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें सन्त निरंकारी मिशन से जुड़े सैकड़ों स्वयंसेवकों सहित साध ा–संगत के सैकड़ों पुरूष व महिला अनुयायी उपस्थित होकर अपनी सेवायें अर्पित करेंगे।

संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। इसी प्रेरणा के साथ, इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है, ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता, सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न करे।

संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिंदर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन–जन तक पहुंचेगा।

दिल्ली में इस अभियान को पूर्व की भांति 'आओ सवारें, यमुना किनारे' के प्रेरक संदेश के साथ आयोजित किया जा रहा है। संत निरंकारी मिशन के लगभग 10 लाख समर्पित स्वयंसेवक के साथ–साथ इंद्रप्रस्थ, जे.एन.यू. और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के युवाओं के साथ मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश जन–जन तक पहुंचाएंगे। गीतों की संगीतमय प्रस्तुति, समूह गान, जागरूकता सेमिनार और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से जल जनित रोगों और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित न रहकर आज की युवा पीढ़ी को समाज कल्याण की दिशा में सकारात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज भी अक्सर यही प्रेरणा देते हैं कि हम इस धरती को और भी अधिक सुंदर स्वरूप में छोड़कर जाएं। यह अभियान उसी संकल्प का एक साकार स्वरूप है, जो समाज को जागरूकता, सेवा और समर्पण की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

एसडी कालेज आफ कामर्स, मुजफ्फरनगर में 'कैफेटेरिया' का आयोजन गया

मुजफ्फरनगर। एस०डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर में गृहविज्ञान संकाय द्वारा ष्कैफेटेरियाश का आयोजन किया गया। जिसमें गृहविज्ञान संकाय की छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाये। कैफेटेरिया का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डा० सचिन गोयल, डा0 संदीप मित्तल, डा० रेणु गर्ग, श्रीमति मंजू मल्होत्रा, डा० नवनीत वर्मा (डीन) एवं गृह विज्ञान संकाय की शिक्षिका शिवांगी वशिष्ठ, श्रीमति नीलू राठी, पिंकी पाल, शिवांगी पुण्डीर द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

कैफैटेरिया के अन्तर्गत कुल छरू स्टाल लगाये गये जिसमें पानी–पूरी, पावभाजी, छोले–कुलचे, चाउमीन, मोमोज एवं दही – भल्ला, पापडी चाट आदि शामिल रहे। व्यंजन बनाने में मुख्य रूप से एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्राएं मुस्कान, राखी, नाहिद, मन्तशा, ग्रेसी, अंजली, सना, दीपल, टिंकल, रितू, मनीषा, अनन्या, विशाखा, रश्मि, रूबी, साक्षी, आंचल, वैष्णवी, स्नेहा, वंशिका, मोनिका, आरजू व कल्याणी आदि रही।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा० सचिन गोयल ने कहा कि यह आयोजन छात्राओं के पाठ्यक्रम

का हिस्सा है व इससे उनमें स्वालम्बन की भावना उत्पनन होती है जो आगे चलकर उनके सम्पूर्ण विकास में सहायक सिद्ध होगी। उन्होने कहा कि भोजन का हमारे जीवन में विशेष महत्व होता है। कहा जाता है, अगर आप अच्छा खाते हैं तो आपकी सोच भी अच्छी होती है। यानि आपका विकास भोजन पर आधारित है।

महाविद्यालय के डीन डा० नवनीत वर्मा ने बताया कि इस आयोजन में सभी छात्राओं ने संयुक्त रूप से सहभागिता की और कार्यक्रम को सफल बनाया साथ उन्होने कहा कि इससे छात्राओं में उद्यमिता की भावना उत्पन्न होगी। जो उनके आर्थिक और सामाजिक उत्थान में सहायक है। आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के शिक्षको व कर्मचारियों आदि का सहयोग रहा।

शिवसेना ने वकीलों की मांगों का किया समर्थन

मुजफ्फरनगर। शिवसेना जिला कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता संयुक्त हिंदू मोर्चा के संस्थापक मनोज सैनी जी द्वारा और संचालन डॉक्टर योगेंद्र शर्मा प्रदेश महासचिव शिवसेना द्वारा किया गयास बैठक को संबोधित करते हुए बिट्टू सिखेड़ा जिला अध्यक्ष शिवसेना ने कहा कि आज

का जो प्रदर्शन हमारे वकील भाइयों के द्वारा किया जा रहा हैस शिवसेना जनपद लक्ष्मी नगर आज के आंदोलन का समर्थन करती हैस हम सभी शिव सैनिक जनपद मुजफ्फरनगर के वकीलों के साथ तन मन धन से रहेंगे और जहां भी शिवसेना की आवश्यकता होगी हमेशा आपके समर्थन में खड़ी रहेगी और सरकार से वकीलों के मांगों का समर्थन करते हुए जल्दी मांग पूरी करने का मान्य सरकार से अनुरोध करती है सबैठक में रेनू चौधारी पश्चिम प्रदेश प्रभारी हिंदू क्रांति सेना अवनीश चौहान मंडल अध्यक्ष राजेश कश्यप मंडल उपाध्यक्ष अनीता चौधरी मंडल प्रभारी महिला मोर्चा शालिनी शर्मा मंडल उपाध्यक्ष गोपी वर्मा जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा नगर अध्यक्ष अमरीश त्यागी पश्चिम प्रदेश उपाध्यक्ष हिंदू क्रांति सेना आदि आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर की होनहार छात्रा रवीना मित्तल ने वेबसाइट चैंपियनशिप 2024 में दूसरा स्थान किया प्राप्त

मुजफ्फरनगर। चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ में मुजफ्फरनगर की होनहार छात्रा रवीना मित्तल ने वेबसाइट चौंपियनशिप 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त कर

अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है। चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ के प्राचार्य डां एम एस गुजराल एवं विभागाध्यक्ष डॉ धीरेंद्र सिंह ने रवीना मित्तल को एक समारोह में ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। हाल ही में एक इंटरनेशनल पत्रिका श्आई जी आई ग्लोबलश मे रवीना मित्तल का लेख एडवांस टेक्निक्स एंड बेस्ट प्रैक्टिस फोर फिशिंग डिटेक्शन टोपिक पर प्रकाशित किया गया है जिसके लिए उसे लगातार बधाइयां मिल रही है। रवीना मित्तल ने कक्षा 10 और कक्षा 12 की सी बी एस ई परीक्षा में जनपद में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। डीएस पब्लिक स्कूल मुजफ्फरनगर के प्रधानाचार्य गगन शर्मा ने अपने विद्यालय की होनहार छात्रा रवीना मित्तल के चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ में वेबसाइट चौंपियनशिप 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए गर्व व्यक्त किया है।

भाजपा नेता ने काँवड़ियों के लिए कराया अस्थाई पुल का निर्माण

मोरना। सशिव भक्तो की यात्रा को सुगम बनाने के लिए डुंडी घाट सोलानी नदी पर अस्थाई पुल का निर्माण भाजपा नेता अमित राठी द्वारा किया गया व शिव भक्तो का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

मोरना क्षेत्र के गांव योगेन्द्र नगर मे डुंडी घाट सोलानी नदी पर अस्थाई पुल का निर्माण कराया गया है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अमित राठी ने बताया की महाशिव रात्रि के अवसर पर बड़ी संख्या मे शिव भोले क्षेत्र से गुजरते हैं। शिव भक्तो को सुविधा प्रदान करने काँवड यात्रा को सफल बनाने के लिए शिव भक्तो की निरंतर सेवा की जायेगी।काँवड़ियों की सुविधा के लिए सोलानी नदी पर लकड़ी के पुल का निर्माण कराया गया है। साथ ही युवा भाजपा नेता पुनीत खोकर द्वारा पुष्प वर्षा कर शिव भोलो का स्वागत किया गया।

सम्पादकीय.....

अश्लीलता का कारोबार

हाल ही में यूट्यूब के एक कथित कॉमेडी शो से उठे राष्ट्रव्यापी विवाद के बाद आरोपी यूट्यूबर को गिरफ्तारी से राहत देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में आरोपी से कहा कि उसने अपने दिमाग में भरी गंदगी को उगला है। अदालत ने रणवीर इलाहाबादिया के बयान पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसकी बातों से बेटियों, बहनों और माता–पिता को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने केंद्र सरकार से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने की योजना बताएं। अन्यथा इस मामले में कोर्ट देखेगा। उल्लेखनीय है कि यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना के एक शो 'इंडियाज गॉट टेलेंट' के एक एपिसोड को लेकर पिछले दिनों खासा विवाद हुआ। जिसको लेकर पूरे देश में तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई। कई राज्यों में अश्लील टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। दरअसल, रणवीर ने एक प्रतिभागी से उसके माता–पिता के निजी संबंधों को लेकर आपत्तिजनक सवाल किए थे। इस अमर्यादित व अश्लील टिप्पणी को लेकर देशव्यापी आलोचना की जा रही है। कालांतर यूट्यूब को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद इस एपिसोड को हटाना पड़ा था। दरअसल सोशल मीडिया पर ऐसी अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने का यह पहला मामला नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अनाप–शनाप बकने का सिलसिला पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया पर चल रहा है। दरअसल, कई कॉमेडियन व कलाकार विभिन्न कार्यक्रमों में ऐसी बकवास करते रहते हैं ताकि उन्हें नकारात्मक चर्चा से व्यापक पहचान मिल सके। लगातार कोशिश होती रहती है कि वर्जित विषयों को कार्यक्रमों में शामिल करके तरह–तरह के विवाद खड़े किए जाएं। दरअसल, टीवी चौनल भी टीआरपी के गंदे खेल में ऐसे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकते, जो विवाद पैदा करें। ऐसे कॉमेडी कार्यक्रमों की लंबी शृंखला है जो अश्लीलता, फूहड़ता और अभद्रता को अपने विषय वस्तु बनाते हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर वर्जना तोड़ते कार्यक्रमों की बाढ़ सी आई हुई है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया में संपादक नामक संस्था का कोई स्थान नहीं है। जिसके चलते अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देकर तमाम वर्जित विषयों व संवादों को तरजीह दी जा रही है। एक हकीकत यह भी है कि अभद्र, अश्लील, आपत्तिजनक और पोर्नोग्राफिक कंटेंट से सोशल मीडिया कंपनियों को भी मुनाफा होता है। कार्रवाई की मांग किए जाने पर ये विदेशी कंपनियां अमेरिकी कानून को अपना कवच बनाने का प्रयास करती हैं। विगत में भी एक विवाद के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी डिजिटल कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। यद्यपि आईटी मंत्रालय को आपत्तिजनक एप्स और कंटेंट को ब्लॉक करने का अधिकार है। लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया की निरंकुश भूमिका को देखते हुए एक सख्त कानून की जरूरत महसूस हो रही है। इसके अभाव में ऐसे विवादित कार्यक्रम सुर्खियों में आते रहते हैं। हो–हल्ला होने के बाद प्राथमिकी दर्ज होती है, लेकिन बहुत कम मामलों में आरोपियों को सजा हो पाती है। उन्हें कानूनी संरक्षण देने वाले भी खुलकर सामने आते हैं। यही वजह है रणवीर इलाहाबादिया वाले मामले में शीर्ष अदालत ने उनको लेकर सख्त टिप्पणियां की हैं। नीति–नियंताओं को इस सामाजिक प्रदूषण को रोकने के लिये कारगर कानून बनाने होंगे ताकि आरोपियों को समय से सजा मिल सके। जिससे रातों–रात फेमस होने की होड़ में सामाजिक विकृतियों व कुंठाओं को प्रश्रय न मिले। सदियों से सहेजे गए जीवन मूल्यों व सभ्याचार का संरक्षण करना समाज की भी जिम्मेदारी है। यदि इसकी महीन लक्ष्मण रेखा का अतिक्रमण होता है तो सामूहिक प्रतिरोध जरूरी है। नीति–नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। तकनीकी क्रांति व विकास का मतलब यह कदापि नहीं है कि हम पश्चिम की विकृतियों व यौन कुंठाओं का अंधानुकरण करें। कालांतर ये प्रवृत्तियां न केवल सामाजिक विद्रूपताओं को सींचती हैं बल्कि अपराधों के लिये भी उर्वरा भूमि तैयार करती हैं। साथ ही सोशल मीडिया के कंटेंट पर निगरानी के लिये सशक्त नियामक संस्था की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

ट्रम्प का भारत विरोधी रवैया साफ

डॉ. दीपक पाचपोर

अपने ही नागरिकों के प्रति भारत सरकार के इस रवैये से सम्भवतः ट्रम्प प्रशासन का हौसला बढ़ा होगा तभी उसने शनिवार की रात फिर से 116 भारतीय उसी तरीके से भेजे।

डोनाल्ड ट्रम्प को अमेरिका के राष्ट्रपति का पद सम्हाले हुए अभी एक ही माह हुआ है और उनका भारत विरोधी रवैया साफ हो चला है। अमेरिका की ओर से भारत का सतत अपमान तो हो ही रहा है, अब उसकी मदद रोककर यह संकेत दे दिया गया है कि अमेरिका के भारत के साथ वैसे सम्बन्ध नहीं रहेंगे जैसे पहले कभी होते थे। अधिक अपमानजनक तो यह है कि अमेरिका के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के लिये भारत लगातार झुकता चला जा रहा है और अमेरिका है कि नरम पड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है। वह एक के बाद एक भारत विरोधी निर्णय लेता जा रहा है। भारत को लेकर ट्रम्प का रुख वैसे तभी स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया था। उनकी बजाये उद्योगपति मुकेश अंबानी को सपत्नीक तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर को आमंत्रित कर एक तरह से मोदी का अपमान ही किया गया था। वैसे बताया जाता है कि जयशंकर को कुछ दिनों तक अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में डेरा डालना पड़ा था पर ट्रम्प ने भारतीय प्रधानमंत्री को नहीं बुलाया सो नहीं ही बुलाया। इसके बाद भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के साथ मुलाकात को लालायित मोदी ने अमेरिका का दौरा कर ही लिया। पिछले हफ्ते वे उनसे मिलकर आये हैं। ट्रम्प के साथ निजी मित्रता का दावा करने वाले मोदी जब अमेरिका जा रहे थे तभी अमेरिका ने पहली खेप के रूप में वहां रह रहे 104 गैरकानूनी अप्रवासी भारतीयों को सैन्य जहाज में हथकड़ी–बेड़ियों में बांधकर अमृतसर भेज दिया। लोगों को उम्मीद थी कि मोदी इस बाबत कड़े शब्दों में न केवल विरोध जताएंगे वरन यह सुनिश्चित करेंगे कि कम से कम अब आगे आने वाले भारतीय ऐसे अपमानजनक तरीके से नहीं भेजे जायेंगे। वैसे पिछली बार अमेरिका ने जब इस तरह से भारतीयों को भेजा तब भारत में भारतीय जनता पार्टी व सरकार का एक बड़ा समर्थक वर्ग उस कार्रवाई को यह कहकर जायज ठहरा रहा था कि अमेरिका अपने देश के नियमों का पालन कर रहा है तो इसमें गलत ही क्या है। इतना ही नहीं, जयशंकर ने भी संसद में इस पर अपना बयान देकर अमेरिका का समर्थन किया था। हालांकि उस वक्त यह बात भी सामने आई थी कि कोलम्बिया व मैक्सिको जैसे छोटे देश, जो अमेरिका के पड़ोसी भी हैं, अपने नागरिकों को सम्मानपूर्वक वापस लाए थे। अपने ही नागरिकों के प्रति भारत सरकार के इस रवैये से सम्भवतः ट्रम्प प्रशासन का हौसला बढ़ा होगा तभी उसने शनिवार की रात फिर से 116 भारतीय उसी तरीके से भेजे। जैसा कि पहले ही घोषित किया जा चुका है कि अमेरिका ने ऐसे तकरीबन 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है जो क्रमवार भारत आयेंगे। भारत की प्रतिष्ठा को किस कदर चोट पहुंचेगी और उसकी छवि दुनिया भर में क्या बनेगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। साफ है कि ट्रम्प इस मामले में भारत के साथ कोई रहमदिली नहीं दिखाने जा रहे हैं। ट्रम्प मानों इतने भर से संतुष्ट नहीं हैं जो उन्होंने अमेरिका द्वारा भारत को दी जाने वाली 21 मिलियन डॉलर की सहायता पर भी रोक लगा दी। दरअसल उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के फैसले को मंजूरी दी है जिसने इस आशय की सिफारिश की है। एक प्रेस काफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि श्भारत के पास बहुत पैसा है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। अमेरिका के लिये वहां व्यवसाय करना मुश्किल है क्योंकि उसके शुल्क बहुत हैं।श उनका कहना था कि भारत की आर्थिक वृद्धि तथा विदेशी व्यापार की ऊंची शुल्क दरों के चलते भारत को अमेरिकी करदाताओं का पैसा देने की आवश्यकता नहीं है।उल्लेखनीय है कि डीओजीई की अध्यक्षता दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी व ट्रम्प के नजदीकी एलन मस्क करते हैं। उन्होंने एक्स पर इस कटौती की घोषणा की जो भारत को बड़ा झटका है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अपने अमेरिकी दौरे पर मोदी मस्क से उनके परिजनों के साथ मिले थे और दोनों के बीच सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में चर्चा भी हुई थी। मस्क ने भारत के साथ लाइबेरिया में भी मतदाताओं का राजनीतिक प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाने के सम्बन्धी गतिविधियों के लिये दी जाने वाली लगभग इतनी ही सहायता राशि तथा नेपाल को जैव विविधता के संरक्षण हेतु आवंटित किये जाने वाले धन को भी रोक दिया है। मस्क ने इन सभी को गैरजरूरी खर्च बतलाया है। अमेरिका से मिल रहे ये सारे संकेत भारत के लिये बहुत बुरे कहे जा सकते हैं। ट्रम्प ने एक ओर तो मोदी से उस समझौते पर हस्ताक्षर करा लिये। जिसके अंतर्गत भारत अमेरिका से प्राकृतिक गैस व तेल (जो कि महंगी दर पर होगा) तथा एफ–35 लड़ाकू विमान खरीदेगा, जो पुरानी पड़ चुकी तकनीक पर आधारित है व जिसे मस्क कबाड़ बताते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ भारत में अमेरिकी कम्पनी टेस्ला की व्यवसायिक गतिविधियां प्रारम्भ होने जा रही हैं, जिसके मालिक एलन मस्क ही हैं। मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के सामने एक तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है, जिसके चलते अमेरिका भारत के साथ लगातार अपमानजनक व्यवहार कर रहा है। भारत को इसका कड़ा जवाब देने की जरूरत है।

डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो से दूरी बनाने के बाद यूरोप की परीक्षा की घड़ी

1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के अस्सी साल बाद, यूरोप, विशेष रूप से पश्चिमी यूरोप अव्यवस्थित सा हो गया है, क्योंकि आठ दशकों से उनका ट्रान्साटलांटिक सहयोगी, संयुक्त राज्य अमेरिका, नये ट्रम्प सिद्धांत के तहत नाटो से संबंधित यूरोपीय देशों की सुरक्षा की गारंटी देने से इनकार कर रहा है। इससे पहले भी अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद थे, लेकिन उनका महाद्वीप की भू–राजनीति पर इतना व्यापक प्रभाव कभी नहीं पड़ा, जितना 2025 में पड़ रहा है। 17 फरवरी को नाटो और यूरोपीय संघ सहित यूरोपीय देशों के नेताओं की आपातकालीन बैठक ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई प्रभावी रणनीति बनाने में विफल रही, जिसमें यूरोपीय देशों, विशेष रूप से नाटो को अमेरिका पर निर्भर हुए बिना अपनी रक्षा प्रणाली के बारे में सोचना पड़ रहा है, जो 1949 में नाटो की स्थापना के बाद से पिछले 75 वर्षों से एक रक्षा निकाय के रूप में चलन में है। नाटो की स्थापना अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तीव्र शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में हुई थी, जिसमें पश्चिमी यूरोप नाटो के हिस्से के रूप में अमेरिका के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ था। तब से यूरोप में बड़े बदलाव हुए हैं, जिनमें 1991 में सोवियत संघ का पतन और 1991 के बाद सोवियत राज्य से अलग होकर कई स्वतंत्र राज्यों की स्थापना शामिल है। यूक्रेन उन राज्यों में से एक था। 24 फरवरी, 2022 से शुरू होने वाले यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को इस सप्ताहांत तीन साल पूरे हो रहे हैं और इसी सप्ताह, मंगलवार 18 फरवरी को, रूस के विदेश मंत्रियों और अमेरिका के विदेश मंत्री ने सऊदी अरब के रियाद में यूरोप और यूक्रेन के प्रतिनिधित्व के बिना मुलाकात की। यूरोपीय देशों और यूक्रेन के राष्ट्रपति ने संबंधित बहिष्कारों का कड़ा विरोध किया, लेकिन बैठक उनके बिना ही चली। राष्ट्रपति ट्रम्प भी नाटो या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के विचारों को ध्यान में रखे बिना, अपनी शर्तों पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के साथ आगे बढ़ेंगे। यूरोपीय नेताओं की सोमवार को पेरिस बैठक में यूक्रेन पर आने वाली वार्ता में यूरोपीय नेताओं की भागीदारी की मांग की गयी थी, लेकिन ट्रम्प ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह पहले राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे और उसके बाद जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की को बुलाया जायेगा। इस बात का कोई आश्वासन नहीं था कि यूरोपीय नेताओं को अनुवर्ती बैठकों में भी आमंत्रित किया जायेगा। इसका मतलब यह है कि ट्रम्प केवल राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत करके अनिच्छुक यूरोपीय देशों पर युद्धविराम थोपने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प के सलाहकारों और खुद ट्रम्प ने पहले ही इशारा कर दिया है कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता के बारे में भूलना होगा और राष्ट्रपति जेलेंस्की को क्रीमिया पर भी अपना दावा छोड़ना होगा, जिस पर अब रूस का कब्जा है। कुल मिलाकर, वार्ता में अन्य कब्जे वाले क्षेत्रों के मुद्दे को उठाया जा सकता है, जहां मामूली क्षेत्रीय समायोजन पर बातचीत की जा सकती है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन द्वारा बुलाई गयी पेरिस में सोमवार की बैठक में, यूरोपीय नेताओं ने तीन वास्तविकताओं को स्वीकार कियारू पहला, ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका और यूरोप अब उन मूल्यों को साझा नहीं करते हैं, जो 1945 से ट्रांसअटलांटिक गठबंधन का आधार रहे हैं। दूसरा, यूरोप अब अपने बचाव के लिए अमेरिका पर निर्भर नहीं रह सकता। तीसरा, यूक्रेन पर अमेरिकी नीति का सवाल। अमेरिकी योजना पर यूरोपीय देशों को अमेरिका द्वारा जानकारी दिये जाने की आवश्यकता है और अमेरिका को यूरोप को बातचीत की मेज पर आमंत्रित करना है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि इस समय ट्रम्प की चुनौती का सामना करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प क्या होना चाहिए। बैठक में यूरोपीय सुरक्षा गारंटी के आकलन और रक्षा के लिए अपने स्वयं के धन के आधार पर देशों द्वारा इसे किस हद तक संभव बनाया जा सकता है, इस पर तीखे मतभेद देखे गये। यूक्रेन की युद्ध के बाद की सुरक्षा गारंटी पर भी मतभेद थे। मैक्रोन ने पिछले साल यूक्रेन में एक संभावित यूरोपीय शांति सेना की संभावना का उल्लेख किया था, और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन जमीन पर सैनिकों को भेजने के लिए तैयार है। स्वीडन ने सोमवार को इस कदम का समर्थन किया। नीदरलैंड ने कहा कि यह विचार के बारे में श्नकारात्मक नहींश है, लेकिन जर्मनी ने कहा कि श्अभी समय नहीं आया हैश और पोलैंड – जो किसी भी अन्य नाटो सदस्य की तुलना में रक्षा पर प्रति व्यक्ति अपने सकल घरेलू उत्पाद का 4प्रतिशत अधिक खर्च करता है– ने कहा कि वह श्कोई भी पोलिश सैनिक भेजने की योजना नहीं बना रहा हैश्।

इसलिए चर्चा के अंत में जबकि यूरोपीय नेता यूरोपीय सुरक्षा बल की आवश्यकता पर सहमत हुए, वे संरचना की सटीक प्रकृति और प्रत्येक की वित्तीय जिम्मेदारी की प्रकृति पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सके। यूरोप को यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए अपने सैन्य बल के साथ तैयार रहना होगा, अगर फरवरी के अंत में मार्च तक ट्रम्प–पुतिन की बैठक युद्ध विराम की ओर ले जाने वाले शांति सूत्र पर पहुंचती है। यह स्पष्ट है कि ट्रम्प यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की जल्दी में हैं और वे उसी स्टीमरोलर नीति का पालन करने के लिए दृढ़ हैं जिसका उपयोग उन्होंने इजराइल में युद्ध विराम के आयोजन में किया था–हमास युद्ध के बारे में। अमेरिकी राष्ट्रपति रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात करके और युद्ध विराम योजना बनाकर उसी पद्धति का उपयोग करने पर आमादा हैं, जिससे पुतिन को इस संकट से बहादुरी से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। इसके बाद ट्रंप यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से अनुवर्ती बैठक में भाग लेने और उस समझौते को बलपूर्वक स्वीकार करने के लिए कहेंगे, जैसा कि उन्होंने और उनके अधिकारियों ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और हमास नेताओं के साथ इजरायल–हमास सौदे के संबंध में किया था। यूक्रेन पर उस अंतिम वार्ता में यूरोप भागीदार हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, लेकिन तथ्य यह है कि यूक्रेन के भविष्य को निर्धारित करने में यूरोप की बहुत कम भूमिका होगी। इसका फैसला ट्रंप और पुतिन करेंगे। वैश्विक कूटनीति कुछ समय के लिए डोनाल्ड ट्रंप के इर्द–गिर्द घूमती रहेगी, जब तक कि वह कूटनीतिक लड़ाई के अगले और महत्वपूर्ण दौर के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से नहीं मिलते। यह बराबरी की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली लड़ाई और 2025 में भू–राजनीति की सबसे दिलचस्प घटना होगी।

उर्दू और संस्कृत शामिल करने का सुझाव

सर्वमित्रा सुरजन

सियासी लाभ उठाने के फेर में कभी–कभी मंजे हुए राजनेता भी ऐसी गलती कर जाते हैं, जिसमें सच बाहर आ जाता है। अभी हाल ही में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने ऐसी ही गलती कर दी। दरअसल मंगलवार को उप्र विधानसभा में कार्य संचालन नियमावली में एक संशोधन के बाद अंग्रेजी के अलावा, अवधी, ब्रज, बुंदेली और भोजपुरी में भी संबोधन को मान्यता दी गई। इस संशोधन का उद्देश्य यह था कि ग्रामीण अंचल के लोग अपनी स्थानीय भाषा में सुन सकें कि विधानसभा में क्या कार्रवाई हो रही है। इस फैसले पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने अंग्रेजी पर आपत्ति जताई और उसकी जगह उर्दू और संस्कृत शामिल करने का सुझाव दिया। लेकिन उर्दू का नाम आते ही यह मुद्दा भाजपा के लिए सांप्रदायिक सवाल खड़े करने का सबब बन गया। मंगलवार को उर्दू के सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने जो कुछ कहा, उसमें एक तरफ उनकी संकुचित सोच का परिचय मिला और दूसरी तरफ एक सचबयानी भी हो गई। श्री योगी ने कहा कि समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है, ये अपने बच्चों को पढ़ाएंगे इंग्लिश स्कूल में और दूसरों के बच्चों के लिए बोलेंगे कि गांव के उस विद्यालय में पढ़ाओ, जहां संसाधन भी नहीं हैं। श्री योगी ने समाजवादियों पर आरोप लगाया कि ये आपके बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहते। आपके बच्चे उर्दू पढ़ें ये उनको मौलवी बनाना चाहते हैं। सपा के नेता क्या देश को कठमुल्लापन की और ले जाना चाहते हैं यह नहीं चलने वाला है। ऐसा नहीं है कि देश में भाषा को लेकर इस तरह का विवाद पहली बार खड़ा हुआ है, यह सिलसिला बरसों से चला आ रहा है। भाजपा के शासन के दौर में इसमें तल्खी थोड़ी और बढ़ गई है। बहरहाल, पहले देख लेते हैं कि श्री योगी ने उर्दू का विरोध करते हुए कैसे अपनी ही पोल खोल दी। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की हालत कितनी खराब है, इस सच से हर कोई वाकिफ है। संपन्न ग्रामीण अपने बच्चों को शहरों में भेजकर पढ़ाने का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन गरीब ग्रामीणों के लिए गांव के विद्यालय में बच्चों को भेजने की मजबूरी होती है, जहां कई तरह के अभावों में बच्चों को पढ़ाने की औपचारिकता निभाई जाती है। देश की साक्षरता दर में इजाफा होता है कि इस साल इतने बच्चों ने दाखिला लिया, हालांकि इसमें कितने बच्चे विद्यालय में टिक पाते हैं, यह अलग मंथन का विषय है। इन स्कूलों में शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा भी अक्सर नहीं होती है, जिस वजह से लड़कियां स्कूल नहीं जा पाती हैं। गांवों के स्कूलों की बदहाली किसी एक राज्य या किसी एक सरकार में हुई है, ऐसा नहीं है। पूरे देश में यही हाल है। लेकिन इस बात को सरकारें स्वीकार नहीं करती हैं, बल्कि कभी भूले–बिसरे किसी नेता, मंत्री या शिक्षा अधिकारी के दौरे स्कूलों में हों, तो वहां साज–सज्जा कर कमियां छिपाने की कोशिश की जाती है। मंत्री और अधिकारी दोनों इस सच से वाकिफ होते हैं, लेकिन इसे सुधारने की कोशिश बिरले ही किसी ने की होगी। अच्छा है कि मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में आधिकारिक तौर पर यह बात स्वीकार कर ली कि गांवों के स्कूलों में संसाधन नहीं हैं। अब उनसे सवाल किया जा सकता है कि आप लगातार दूसरा कार्यकाल उत्तरप्रदेश में संभाल रहे हैं, फिर भी अगर आप गांवों के स्कूलों में संसाधन न होने की बात स्वीकार कर रहे हैं, तो इसमें दोष क्या आपका ही नहीं है। जब उप्र सरकार अयोध्या में हर साल करोड़ों रूपए के दिए जला सकती है, जब महाकुंभ के आयोजन में पानी की तरह पैसा बहाया जा सकता है, जब कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने का खर्च भी सरकारी खजाने से किया जा सकता है, तो गांवों के स्कूलों में संसाधन जुटाने का खर्च अब तक क्यों नहीं किया गया। हालांकि इस बात की उम्मीद कम ही है कि श्री योगी कभी ऐसे किसी सवाल का जवाब देंगे। उप्र के ग्रामीण स्कूलों में संसाधन जुटें या न जुटें नाम बदलने की कवायद जारी है। हाल ही में परमवीर चक्र विजेता शहीद अब्दुल हमीद के नाम पर गाजीपुर में उनके पैतृक गांव धामूपुर में बने विद्यालय का नाम बदल दिया गया, गनीमत रही कि इस पर फौरन ही आपत्ति दर्ज हुई और गलती को मानते हुए इसे सुधारा गया। शिक्षा विभाग ने विद्यालय का नाम श्शहीद वीर अब्दुल हमीद पीएमश्री कंपोजिट विद्यालयश करने का निर्णय लिया है, साथ ही भविष्य में ऐसी गलतियां नही हों, इसके लिए उनके नाम को विद्यालय के अभिलेख में भी दर्ज करने की योजना बनाई गई है। विद्यालय के प्राचार्य ने अब्दुल हमीद के बेटे जैनुल हसन से इस भूल के लिए माफी भी मांग ली है। हालांकि यह महज भूल नहीं है, बल्कि इसमें सांप्रदायिक सोच ही नजर आ रही है। नाम बदलने की सोच रखने वालों को अब्दुल हमीद ही नजर आया होगा, उसके आगे लगे शहीद का दर्जा देखने की जहमत नहीं उठाई गई। और अगर इस नाम के साथ परमवीर चक्र विजेता या शहीद का दर्जा न भी जुड़ा होता, तब भी अब्दुल हमीद नाम पर आखिर तकलीफ क्यों है। वहां पढ़ाई किस तरह की हो रही है, बच्चों को किस तरह भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है, असल सवाल तो यही होने चाहिए। लेकिन भाजपा हर मामले में हिंदू–मुसलमान की राजनीति ही ले आती है। उप्र विधानसभा में मंगलवार के बाद बुधवार को भी उर्दू को लेकर विवाद हुए और मुख्यमंत्री योगी ने एक शायरी सुनाई और कहा कि ध्यान देना, यह उर्दू में नहीं है। श्री योगी ने शायरी पढ़ी– बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगा के आग बहारों की बात करते हैं जिन्होंने रात को चुन–चुन के बस्तियों को लूटा वही अब बहारों की बात करते हैं अब इस शायरी पर भाजपा के लोग बेशक दाद दें, लेकिन इसमें भाजपा नेताओं और सरकारों की संकीर्ण सोच ही दिखती है। एक बार मशहूर शायर जावेद अख्तर ने कहा था कि उर्दू का संबंध रीजन से है, रिलीजन से नहीं। यानी उर्दू का संबंध क्षेत्र से है, धर्म से नहीं। लेकिन संघ और उससे जुड़े लोगों ने हमेशा से पूरे देश में उर्दू को मुसलमानों से जोड़कर अनावश्यक विवाद खड़ा करने की कोशिश की। कभी दीवाली को जश्न ए चरागां कहा गया तो उस पर आपत्ति जताई गई, किसी ब्रांड के उत्पाद में अरबी में लिखा गया तो उसे धर्मभ्रष्ट करना बता दिया गया। उप्र विधानसभा में भी यही कोशिश दिखी। जबकि उर्दू देश के बड़े हिस्से में बोली और समझी जाती है। गौरतलब है कि उर्दू तुर्की भाषा के शब्द श्ओर्दूश से निकला है, जिसका मतलब होता है सैन्य शिविर। 12वीं सदी में जब भारत के उत्तरी इलाकों में आक्रमण हुए और फारसी बोलने वाली फौज ने लाहौर, और दिल्ली होते हुए उत्तर भारत के इलाके को छुआ तो उस फौज का संपर्क ब्रज भाषा से हुआ, और फिर दो जुबानों के मेल से उर्दू वजूद में आई। 1780 तक उर्दू को हिन्दवी, रेख्ता, रेख्ती, देहलवी या हिंदुस्तानी कहा जाता रहा, बाद में इसे उर्दू नाम मिला और इसी उर्दू में मुंशी प्रेमचंद जैसे महान कहानीकार ने न केवल शिक्षा हासिल की, बल्कि उनका शुरुआती लेखन भी उर्दू में ही रहा।

तेलंगाना को मिली मिस वर्ल्ड 2025 की मेजबानी, विश्व भर की सुंदरियों और पर्यटकों का होगा जमावड़ा

वश्व की सबसे प्रतिष्ठित सौन्दर्य प्रतियोगिता मिस वर्ल्ड 2025 के 72वें संस्करण का आयोजन तेलंगाना में होने जा रहा है। कुल 4 हफ्ते(7 मई से 31 मई) तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विश्व भर की सुंदरियाँ अपने–अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत आकर इस प्रतियोगिता में भागीदारी करेंगी। प्रतियोगिता का आयोजन तेलंगाना के विभिन्न शहरों में किया जाएगा जिसके माध्यम से विश्व, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सुंदरता का साक्षी बनेगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन और ग्रैंड फिनाले समारोह श्मोतियों के शहरश और आई टी हब हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। वर्ष 2014 में निर्मित भारत के सबसे युवा राज्य तेलंगाना में मिस वर्ल्ड 2025 के कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अपने निर्माण के इतने कम वर्षों में ही तेलंगाना ने प्रगति के पथ पर बड़ी छलांग लगायी है और बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय सुविधा वाले ऐयर पोर्ट्स, प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान, आधुनिक सुख सुविधाओं से लैस हॉस्पिटल और बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही भारत की अर्थ व्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाने वाली आईटी इंडस्ट्री, फिल्म इंडस्ट्री और फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री के माध्यम से मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलप किया है। इसके साथ ही तेलंगाना ने विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपने खूबसूरत प्राकृतिक सौन्दर्य से पूर्ण स्थलों, ऐतिहासिक इमारतों और यहाँ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराने के लिए एक सशक्त ईको सिस्टम भी विकसित किया है।मिस वर्ल्ड लिमिटेड की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मॉर्ले सीबीई ने तेलंगाना सरकार की पर्यटन, संस्कृति, विरासत और युवा मामलों के विभाग की सचिव सुश्री स्मिता सभरवाल के साथ मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता 2025 के 72वें संस्करण की आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा हमें बेहद खुशी और प्रसन्नता है कि मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन तेलंगाना जैसे राज्य में हो रहा है जो अपनी पुरातन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नवाचार और अपनी मेहमानवाजी के लिए सुप्रसिद्ध है। तेलंगाना सरकार के साथ हमारी पार्टनरशिप यहाँ की अतुल्य धरोहर और विरासत को पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी। यह पार्टनरशिप केवल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी करने भर से संबंधित नहीं है अपितु यह महिलाओं और समाज को सशक्त बनाने, विश्व को यहाँ की सांस्कृतिक विविधता में भी एकता का अनुभव कराने और ब्यूटी विद अ परपज (उद्देश्यपूर्ण सौन्दर्य का उत्सव) के ध्येय वाक्य को केंद्र में रखकर हमारी साझी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ इसका दूरगामी और स्थायी प्रभाव उत्पन्न करना है। सीईओ मॉर्ले के विचारों से अपनी सहमति व्यक्त करते हुए तेलंगाना सरकार की पर्यटन, संस्कृति, विरासत और युवा मामलों के विभाग की सचिव सुश्री स्मिता सभरवाल ने तेलंगाना में मिस वर्ल्ड संगठन का स्वागत करते हुए कहा ष्हम मिस वर्ल्ड लिमिटेड की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मॉर्ले सीबीई के निर्णय का स्वागत करते है कि प्रतियोगिता कराने के लिए एक ऐसी जगह का चुनाव किया है जहां सौन्दर्य केवल आँखों से देखने का विषय

> अपनी पुरातन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नवाचार और अपनी मेहमानवाजी के लिए सुप्रसिद्ध है।

पयेटकों को यहाँ की मिट्टी, यहाँ की संस्कृति और परंपराओं में सौन्दर्य का अप्रतिम अनुभव होगा। तेलंगाना एक ऐसा स्थान है जहां हर त्योहार एक उत्सव है, जहां शिल्प और कारीगरी करने वाला हर हाथ नित नए सौन्दर्य की संरचना गढ़ता है। तेलंगाना सही मायनों में सच्ची सुंदरता का प्रतीक है। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन तेलंगाना के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा "मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के इस मंच के माध्यम से तेलंगाना अपनी समृद्ध शिल्प कारीगरी और हथकरघा की विरासत, यहाँ के शानदार पर्यटन स्थलों, स्वादिष्ट व्यंजनों, प्राकृतिक सौन्दर्य और कला–कृतियों को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करेगा। तेलंगाना, मिस वर्ल्ड–2025 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है साथ ही हम विश्व भर से आने वाले अतिथियों के शानदार स्वागत और आवाभगत के लिए तत्पर हैं। प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड फेस्टिवल में भारत सहित 120 से भी अधिक देशों की सुंदरियाँ अपनी किस्मत अजमाएंगी जो ना केवल विश्व सुंदरी का ताज पहनने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी बल्कि मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन के ब्यूटी विद अ परपज के मिशन को भी सार्थकता के साथ आगे बढ़ाएंगी।

मुंबई के एक थिएटर में अचानक रुका 'छावा' का शो तो भड़का फैंस का गुस्सा, फिर शिवसेना यूबीटी ने सुलझाया मामला

विक्की कौशल की फिल्म छावा का इन दिनों लोगों में काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई कर रही हैं। इसी बीच विक्की कौशल के फैंस का गुस्सा उस समय भड़क गया, जब मुंबई के लोअर परेल में एक थिएटर में स्क्रीन खराब होने से अचानक 'छावा' का शो रुक गया। इसके बाद भड़के दर्शकों ने थिएटर मैनेजमेंट से अपना पैसा वापस मांगा तो उन्होंने इनकार कर दिया जिसके बाद लोगों ने जमकर हंगामा कर दिया। हालांकि शिवसेना यूबीटी के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझ गया। छत्रपति शिवाजी महाराजा की जयंती के अवसर पर मुंबई के लोअर परेल में पीवीआर सिनेमा में बड़ी संख्या में लोग 'छावा' देखने पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक स्क्रीन खराब होने की वजह से शो रुक गया, जिसके बाद दर्शक भड़क उठे। इसके बाद उन्होंने अपना पैसा मांगना शुरू कर दिया और थिएटर मैनेजमेंट से इससे इनकार कर दिया। मैनेजमेंट के इस रवैये के बाद सिनेमा हॉल में भारी हंगामा हुआ, जो लगभग पांच घंटे तक चला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना की सूचना मिलने पर शिवसेना यूबीटी के विधायक सुनील शिंदे पीवीआर पहुंचे और प्रबंधन से मुआवजा मांगा, क्योंकि स्क्रीन खराब होने के लिए वो ही जिम्मेदार थे। पार्टी कार्यकर्ताओं के कड़े रुख के बाद थिएटर प्रबंधन ने उनकी मांगों पर सहमति जताई और मुआवजे के तौर पर एक सप्ताह के अंदर किसी भी एक शो के लिए मुफ्त टिकट देने का वादा किया साथ ही माफी के तौर पर टिकट की चार गुना राशि वापस करने का वादा भी किया। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं, फिल्म छावा की बात करें तो इसने बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराजा की जयंती पर 32 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिसकी बदौलत फिल्म की कुल कमाई 197 करोड़ रुपये पहुंच गई है। अब जल्द ही यह फिल्म 200 करोड़ के कल्ब में शामिल हो जाएगी। फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई, रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी येसूबाई भोसले और अक्षय खन्ना औरंगजेब के किरदार में नजर आए हैं।

इब्राहिम अली-खुशी कपूर स्टारर 'नादानियां' 7 मार्च को रिलीज होगी

इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर स्टारर फिल्म 'नादानियां के निर्माताओं ने रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म 7 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है 'नादानियां' इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म है। वहीं, खुशी कपूर की यह 'द आर्चीज', 'लवयापा' के बाद तीसरी फिल्म है। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने गुरुवार को इसकी घोषणा की और लिखा, "कुछ कुछ होता है ऐसी नादानियां देखकर, 7 मार्च को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर नादानियां रिलीज हो रही है।'नादानियां' में इब्राहिम अली के किरदार का नाम अर्जुन मेहता है। वहीं, खुशी कपूर के किरदार का नाम 'पिया जय सिंह' हैं।'नादानियां' जेन जेड के रोमांस, प्यार और उसमें आने वाले मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'नादानियां' के दूसरे ट्रैक 'गलतफहमी' को रिलीज किया है। फिल्म का गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है। इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, "उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! 'गलतफहमी' गाना रिलीज हो चुका है।" 'गलतफहमी' गाने को सचिन–जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, 'गलतफहमी' में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है। खुशी ने कहा, 'गलतफहमी' ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह 'नादानियां' एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं। शौना गौतम के निर्देशन में बनी 'नादानियां' को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है। इस फिल्म इब्राहिम अली खान, खुशी कपूर के साथ अभिनेत्री महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज भी अहम भूमिकाओं में हैं।

आदर जैन और अलेखा आडवाणी की प्री–वेडिंग सेरेमनी में शामिल हुए सितारे

दिवंगत अभिनेता राज कपूर के नाती आदर जैन और अलेखा आडवाणी हिंदू रीति रिवाज से शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं। शादी से पहले मेंहदी की रस्म अदा की गई। समारोह में जोड़े के परिवार और दोस्त शामिल हुए। अभिनेत्री करीना कपूर खान अपने भाई की मेंहदी सेरेमनी में सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती नजर आईं। बहन करिश्मा कपूर के साथ वह वो समारोह में शामिल हुईं। भाई–बहनों ने भारतीय पारंपरिक परिधानों के अपने शानदार चयन से सभी को प्रभावित किया, जिसमें

वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। रणबीर कपूर पत्नी आलिया भट्ट और सास सोनी राजदान के साथ इस समारोह में शामिल हुए। रणबीर जहां आइवरी शेरवानी में शानदार लग रहे थे, वहीं आलिया ने पीले सरसों रंग के शरारा सेट का चुनाव किया, जिसके साथ उन्होंने येलो पोटली भी रखी थी। अभिनेत्री जया बच्चन भी सेरेमनी में शामिल हुईं। मां–बेटी की जोड़ी नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी भी समारोह में पहुंचीं। बीते साल नवंबर में उनका रोका समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें करीना कपूर, करिश्मा कपूर, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और नीतू कपूर सहित कई हस्तियां शामिल हुई थीं। आदर ने बीते साल सितंबर में समंदर के किनारे अलेखा आडवाणी से अपने प्यार का इजहार किया था। इसके बाद उन्होंने अपनी सगाई की घोषणा की थी। अदार और अलेखा ने नवंबर 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर साथ में अपनी एक तस्वीर भी शेयर की थी। इसी साल जनवरी में आदर जैन और अलेखा आडवाणी गोवा में क्रिश्चियन तरीके से शादी कर चुके हैं। जोड़े ने निजी समारोह में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच जिंदगी भर के लिए एक–दूजे का हाथ थामा। शादी में नीतू कपूर, करिश्मा कपूर, अरमान जैन, अनीसा मल्होत्रा जैन, निताशा नंदा समेत कपूर खानदान के अन्य सदस्य भी शामिल हुए थे।

पाक एक्ट्रेस हानिया आमिर संग स्क्रीन शेयर दिलजीत दोसांझ, वायरल तस्वीर ने दिया हिंट

दिलजीत दोसांझ अपने कॉन्सर्ट के बाद से पूरी दुनिया में छाए हुए हैं। विदेशों में भी दिलजीत दोसांझ और उनके गानों का बोलबोला है। दिलजीत की तरह ही पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी पिछले काफी समय से सुर्खियां बटोर रही हैं।एक के बाद एक हिट शोज के चलते उनकी फैन फॉलोइंग इंडिया में बढ़ी। इसके बाद उनका नाम पॉपुलर सिंगर बादशाह से जुड़ रहा था। इतना ही नहीं दिलजीत के कॉन्सर्ट में भी हानिया ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। दिलजीत ने जैसे ही हानिया आमिर को अपने शो में देखा, तो सिंगर ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस को स्टेज पर बुलाकर उन्हें स्पेशल ट्रीटमेंट दिया। वहीं इन सबके बीच खबर आ रही है कि दिलजीत दोसांझ और हानिया आमिर एक बार फिर साथ दिखाई दे सकते हैं। दरअसल, हाल ही में दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में रेज जैकेट में पोज दे रहे थे। उन्होंने अपनी ढेर सारी तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन उनकी आखिरी फोटो में कुछ ऐसा था जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स को अचानक हानिया आमिर की याद आ गई। फोटो में दिलजीत ने नेचर की तस्वीर शेयर की है। अगर आप सोच रहे हैं इसका हनिया से क्या कनेक्शन हैं, तो वो भी बता देते हैं। दरअसल, हानिया आमिर ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम की स्टोरी पर हूबहू यही तस्वीर शेयर की थी। ये दोनों एक ही जगह की तस्वीर शेयर कर क्या फैंस को कोई हिंट देना चाहते हैं? इसके अलावा एक तस्वीर भी वायरल हो रही हैं जिसमें दिलजीत दोसांझ, नीरू बावजा के साथ हानिया आमिर नजर आ रही हैं। कहा जा रहा है कि दिलजीत दोसांझ और हानिया आमिर अपने किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए मिले होंगे। अब ये कोई म्यूजिक वीडियो होगा या फिर कोई फिल्म? अभी तक इसे लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। फिलहाल फैंस तो बस यही सोचकर खुश हो गए हैं कि उन्हें एक बार फिर दिलजीत दोसांझ और हानिया आमिर को साथ देखने का मौका मिलेगा।

क्या यह लोकप्रिय बिग बॉस प्रतियोगी दीपिका कक्कड़ की जगह लेने वाला है?

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ प्रतियोगियों के झगड़े के कारण चर्चा में रहा है। दीपिका कक्कड़ इब्राहिम जिन्होंने चार साल बाद सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के साथ टेलीविजन पर वापसी की थी, ने अपनी गंभीर चोट के कारण शो को बीच में ही छोड़ दिया है। दीपिका के प्रशंसक इस खबर से काफी निराश हैं और चाहते हैं कि अभिनेत्री वापस आकर शो जीते। दीपिका या चौनल ने अभी तक उनके बाहर होने की खबर की पुष्टि नहीं की है। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ प्रतियोगी उषा नादकर्णी ने एक साक्षात्कार में इस खबर की पुष्टि की और खुलासा किया कि दीपिका हाथ की चोट से जूझ रही थीं। उषा नादकर्णी ने कहा कि दीपिका डॉक्टर के पास गईं और शो में वापस आईं, लेकिन दर्द के कारण वह आगे नहीं जा सकीं। इंडिया फोरम की रिपोर्ट के अनुसार, सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के निर्माताओं ने वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में शिव ठाकरे को शो में शामिल होने के लिए चुना है।

फेफड़ों को रखना है हेल्दी तो रोज करें ये 5 योगासन, सुधर जाएगी फेफड़ों की कार्यक्षमता

पॉल्यूशन के लगातार बढ़ते लेवल को देखते हुए यही सलाह दी जा रही है कि जितना हो सके घर के अंदर रहें और अगर बाहर निकल रहे हैं, तो मास्क जरूर पहनें। घर में एयर प्यूरिफायर लगाएं, इंडोर प्लांट्स लगाएं और डाइट पर भी ध्यान दें। लेकिन इसके अलावा एक और बहुत जरूरी चीज है जो

प्रदूषण भरे माहौल में आपको हेल्दी रखने में मदद कर सकता है और वो है योग। जी हां, फेफड़ों को स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है योग करना। योग न सिर्फ बॉडी को फिट रखता है बल्कि यह फेफड़ों को मजबूत बनाकर उनकी कार्यक्षमता में सुधार करता है। जिससे आप कई गंभीर बीमारियों से बचे रह सकते हैं। तो कौन से योग हैं इसमें फायदेमंद, जान लें यहां।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन श्वसन तंत्र को मजबूत बनाता है। इस आसन को करने से फेफड़ों के कार्य करने की क्षमता बढ़ती है। जो इस पॉल्यूशन भरे माहौल में आपको हेल्दी रखने के लिए बहुत ही जरूरी है। इस आसन

को करना भी बहुत ही आसन है। फेफड़ों के अलावा ये आसन गर्दन, पीठ और कमर के लिए भी फायदेमंद है।

भुजंगासन

भुजंगासन करने से शरीर के ऊपरी हिस्से में खिंचाव होता है। यह खिंचाव शरीर में ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन ग्रहण करने में मदद करता हैं जिससे लंग्स हेल्दी रहते हैं।

अर्ध मत्स्येंद्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन योग इम्युनिटी बढ़ाने में बेहद मददगार आसन है। इस आसन को करने के दौरान लंबी गहरी सांस लेनी होती है जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके अलावा यह आसन डायबिटीज के मरीजों के लिए तो सबसे ज्यादा फायदेमंद है। इससे जांघों की भी अच्छी एक्सरसाइज होती है।

धनुरासन

अगर आप सही तरीके से इस आसन का अभ्यास करें तो कई सारे लाभ पा सकते हैं क्योंकि धनुरासन करते वक्त एक तरह से भुजंगासन और शलभासन दोनों का अभ्यास होता है। धनुरासन में भी सीने में अच्छा– खासा खिंचाव आता है और फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाता है जो सांस की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है ।

गोमुखासन

गोमुखासन, से भी फेफड़ों को हेल्दी रखा जा सकता है। इस आसन को करने के दौरान आप सीने में खिंचाव महसूस करेंगे जिससे शरीर में ऑक्सीजन की अच्छी तरह से सप्लाई होती है। इसके अलावा यह आसन पीठ दर्द, थकावट, तनाव और चिंता को भी कम करता है।

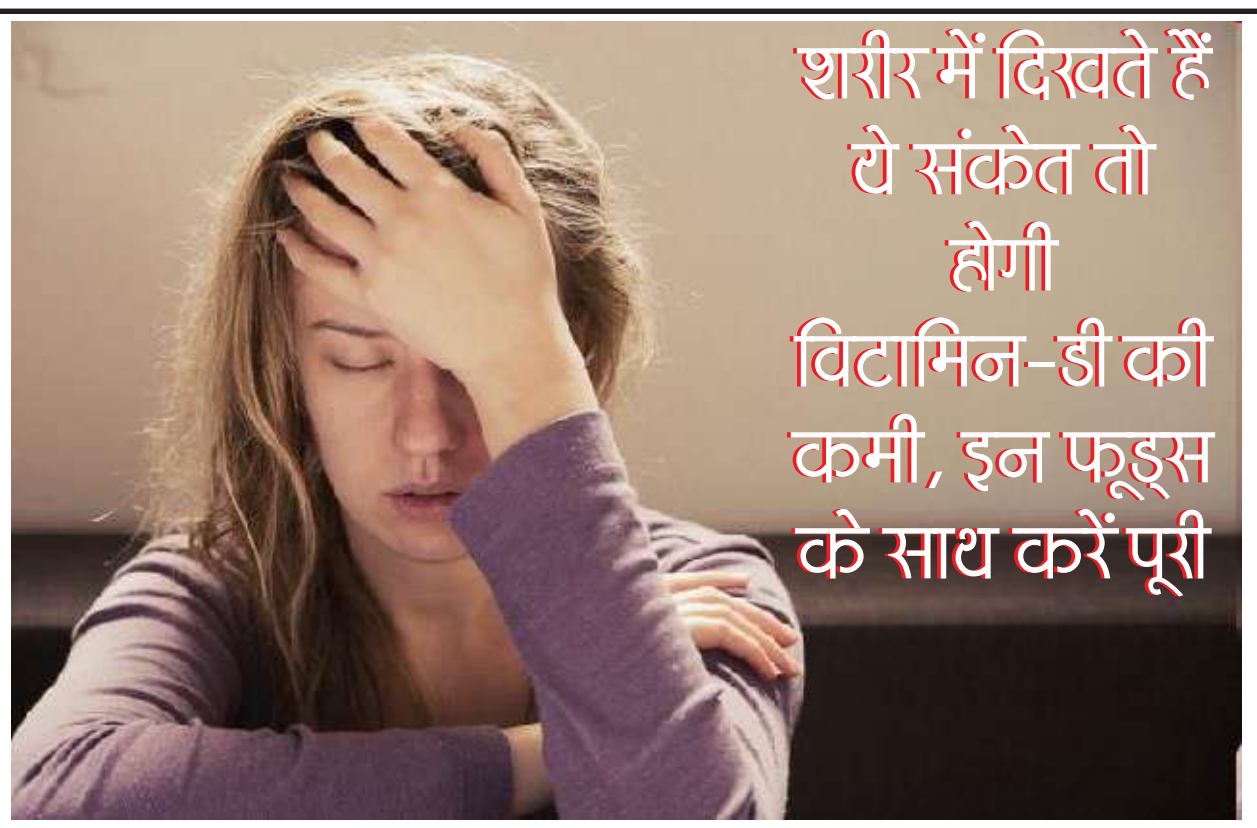

शरीर में दिखते हैं ये संकेत तो होगी विटामिन–डी की कमी, इन फूड्स के साथ करें पूरी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन–डी बहुत ही आवश्यक है। यह इम्यूनिटी बढ़ाने और शरीर को बीमारियों से दूर रखने में मदद करता है। इसके अलावा विटामिन–डी मांसपेशियों और दांत को मजबूत करने के लिए भी जरुरी माना जाता है। आकंड़ों के अनुसार, भारत में करीबन 70 से 90 प्रतिशत लोग विटामिन–डी की कमी का शिकार हैं। लक्षण न पता होने के कारण भी सभी इस बीमारी का शिकार हो सकता है। इस विटामिन– की कमी होने पर शरीर में कुछ इस तरह के लक्षण दिख सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इसके लक्षण, कारण और आप किन फूड्स की कमी के जरिए इस विटामिन की कमी पूरी कर सकते हैं...

विटामिन–डी की कमी होती क्यों है?

शरीर में इस विटामिन– की कमी का कारण है कि आपके शरीर में इस खास विटामिन की मात्रा बहुत ही कम है। मानव शरीर सूर्य की रोशनी के संपर्क में आकर विटामि–डी बनाता है परंतु आजकल के व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण पर्याप्त मात्रा में धूप न लेने के कारण शरीर में इस विटामिन की कमी हो सकती है।

लक्षण

हर समय थकान रहना

शरीर में विटामिन–डी की कमी होने पर हर समय थकान महसूस होती है। यदि 7–8 घंटे की नींद पूरी होने के बाद भी शरीर में थकान महसूस हो रही है तो यह विटामिन–डी की कमी का लक्षण हो सकता है।

हड्डियां कमजोर पड़ना

इसके अलावा इस विटामिन की कमी होने पर हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। थोड़ी सी चोट पर हड्डियों के टूटने का खतरा रहता है। जांघों, पेल्विस और हिप्स में भी हर समय दर्द रहता है।

बार–बार बीमार पड़ना

यदि आप बार–बार बीमार पड़ रहे हैं या आपको सर्दी–खांसी हो रही है तो भी शरीर में विटामिन–डी की कमी हो सकती है। इस विटामिन की कमी के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है जिसके कारण आप बीमार पड़ सकते हैं।

डिप्रेशन

यदि आपको हर समय तनाव, निराशा और एंग्जायटी महसूस होती है तो भी यह विटामिन–डी का ही लक्षण है। डिप्रेशन फील होना, बात–बात पर मूड खराब होना, खून में कमी भी विटामिन–डी की कमी का ही लक्षण है।

बाल झड़ना

शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी विटामिन–डी की कमी हो सकती है। बाल झड़ने के कारण शरीर में विटामिन–डी की कमी होने लगती है। विटामिन–डी न्यूट्रिएंट वो है जो हेयर फॉलिक्लस को बढ़ाता है इसकी कमी होने पर बाल गिरने लगते हैं।

त्वचा पर होता है असर

इस विटामिन की कमी के कारण त्वचा पर भी असर पड़ने लगता है। स्किन ड्राई और लाल होने लगती है इसके अलावा कई बार बहुत ही खुजली और मुंहासें भी होने लगते हैं। विटामिन–डी की कमी होने पर एजिंग की समस्या भी शुरु हो जाती है।

कौन से फूड्स करेंगे कमी पूरी?

दही

दही में कैल्शियम और विटामिन–डी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करके शरीर को अंदर से ठंडक मिलती है और शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसको अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर आप विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

दूध

दूध में भी काफी अच्छी मात्रा में कैल्शियम और विटामिन–डी पाया जाता है। यह एक संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे प्रोटीन, वसा और गुड कार्ब्स। ऐसे में यदि आपके शरीर में विटामिन–डी की कमी है तो आप इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मशरुम

मशरुम में विटामिन–डी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करके भी आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं। सूप, स्टिर–फ्राई, स्टॉज या फिर सलाद के रुप में आप इसका सेवन कर सकते हैं। मशरुम खाने में भी काफी स्वाद होता है।

ऑरेंज जूस

संतेर में भी काफी अच्छी मात्रा में विटामिन–डी पाया जाता है। एक गिलास संतरे का जूस पीकर आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम मजबूत करने में भी मदद करता है।

पनीर

पनीर एक बहुत ही अच्छा विटामिन–डी का स्त्रोत माना जाता है। यह त्वचा और मस्तिष्क के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

ब्लड शुगर का असली दुश्मन है बादाम, रोजाना खाने से दूर भाग जाएंगी ये बीमारियां

बादाम दुनिया के सबसे लोकप्रिय नट्स में से एक है। इसमें हेल्दी फैट, एंटी–ऑक्सिडेंट, विटामिन, खनिज, प्रोटीन फाइबर और ओमेगा 3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है। बादाम दिल को स्वस्थ रखने, पाचन को मजबूत करने, दिमाग तेज करने के साथ–साथ शरीर को अनगिनत फायदे भी पहुंचाता है। अब हाल ही के एक अध्ययन में यह दावा किया गया है नियमित रूप से बादाम खाने से अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त लोगों में शरीर के वजन और रक्त शर्करा दोनों में सुधार हो सकता है।

12 सप्ताह तक रोजाना बादाम खाने से मिलते हैं कई फायदे

''फ्रंटियर्स इन न्यूट्रीशनश्श जर्नल में प्रकाशित शोध में पाया गया है कि 12 सप्ताह तक रोजाना बादाम खाने से इंसुलिन प्रतिरोध कम हो गया, अग्नाशय के कार्य में सुधार हुआ और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिली। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिस समूह के लोगों को बादाम दिए गए थे उनके शरीर के वजन, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) और कमर की परिधि में महत्वपूर्ण कमी आई और उनका कुल कोलेस्ट्रॉल भी कम हुआ।

वजन कम करने में भी बादाम मददगार

चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष और प्रमुख विश्वनाथन मोहन का कहना है कि– ''बादाम खाने वाले उपभोक्ताओं के शरीर के वजन और रक्त शर्करा, दोनों में सुधार हुआ।श अध्ययन में कहा गया कि ''मोटापा दुनिया भर में देखी जाने वाली एक स्वास्थ्य समस्या है और हम जानते हैं कि मोटापा टाइप 2 मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ाता है। हम यह भी जानते हैं कि यह एक जटिल समस्या है, जो मधुमेह से जुड़ी हुई है और हमें लगता है कि हमने एक सरल समाधान की पहचान की है।श्श

शोध में किया गया दावा

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बादाम खाने वाले लोगों में कुल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बेहतर था। दोनों मोटापे और मधुमेह का प्रबंधन करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह अध्ययन 25–65 वर्ष की आयु के 400 प्रतिभागियों पर किया गया था, जिनका बॉडी मास इंडेक्स 23 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर (किलोग्राम/एम 2) से अधिक था। शोधकर्ताओं ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र के बीएमआई दिशानिर्देशों का उपयोग किया, जिसमें कहा गया है कि 23 किलोग्रामध्एम 2 से अधिक को, अधिक वजन और 25 किलोग्राम/ एम 2 से अधिक वजन मोटापा है।

इन लोगों को नहीं खाना चाहिए बादाम

एक्सपर्ट्स मानते हैं बादाम को विभिन्न तरीके से खाने से इसके सेहत को होने वाले लाभ भी बढ़ जाते हैं। रोजाना बादाम का सेवन कोलेस्ट्राल लेवल को भी नियमित करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए रात में बादाम को पानी में भिगोकर सुबह के समय खान ज्यादा फायदेमंद होता है। कहा जाता है कि जिन लोगों को मूंगफली से एलर्जी है उन्हें इसके सेवन से बचना चाहिए।

स्किन का भी रखता है ख्याल

ज्यादातर स्किन केयर प्रोडक्ट्स में बादाम का ही उपयोग किया जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें फ्लेवनॉड्स होते हैं। यह आपकी त्वचा को पोषण देता है और उम्र बढ़ने के साथ त्वचा पर होने वाली दिक्कतों को दूर करता है।

कैसे खाना चाहिए बादाम?

पहला नुस्खा– नाश्ते में ओट्स, स्मूदी, सलाद आदि में डालकर बादाम खाएं। इससे शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा। आप होल व्हीट ब्रेड पर अलमंड बटर लगाकर भी खा सकते हैं। इसके अलावा लंच में बादाम खाना चाहते हैं तो फलों और सब्जियों के सलाद में इसे शामिल करें।

दूसरा नुस्खा– रात में 10–12 बादामों को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इनके छिलके उतारकर इन्हें खाएं। इससे बादाम में कई पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है और शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है।

डायबिटीज में कब और कैसे खाएं बादाम?

मॉर्निंग – 4–5 भीगे हुए

ब्रेकफास्ट – होल व्हीट ब्रेड विद अलमंड बटर

लंच – बादाम ओट्स, स्मूदी

स्नैक्स – रोस्टेड बादाम

डिनक – आलमंड फ्रूट या वेजिटेबल सैलेड

संक्षिप्त

उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार- टाटा स्टील

नयी दिल्ली । टाटा स्टील के सीईओ टी वी नरेंद्रन ने कहा कि उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार है, क्योंकि इससे घरेलू कंपनियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि बढ़ते आयात की मौजूदा स्थिति के कारण इस्पात क्षेत्र में भविष्य में निवेश प्रभावित हो सकता है। इस्पात उद्योग पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशकों में से एक रहा है। उद्योग की सभी कंपनियों ने बड़ी विस्तार योजनाओं की घोषणा की है। राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 69वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने पीटीआई–से कहा कि विस्तार का एक दौर पूरा हो रहा है। एआईएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि बहुत सारा ऐसा इस्पात, जिसे कहीं और बाजार नहीं मिल पाता, भारत में आ जाता है। इसके चलते यहां कीमतें उस स्तर तक गिर जाती हैं, जहां इस्पात कंपनी को स्वस्थ नकदी प्रवाह के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपनी कुल स्थापित इस्पात विनिर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक ले जाना है और सभी बड़ी इस्पात कंपनियों ने पहले ही अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा कर दी है। इस्पात और स्टेनलेस स्टील उद्योग की कंपनियां लगातार सरकार के साथ आयात के मुद्दे को उठा रही हैं। उनका दावा है कि चीन सहित चुनिंदा देशों से आने वाली खेप में उछाल ने उनकी प्रतिस्पध ात्मकता को प्रभावित किया है। भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) के पास पहले ही आवेदन दायर कर दिया है, जो इसकी समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सरकार ने हमारी बात सुनी है और उम्मीद है कि वे कुछ कार्रवाई करेंगे। हम इसका इंतजार कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 की अप्रैल–जनवरी अवधि के दौरान भारत का इस्पात निर्यात 28.9 प्रतिशत घटकर 39.9 लाख टन रह गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 56.1 लाख टन था। दूसरी ओर इस दौरान आयात 20 प्रतिशत बढ़कर 82.9 लाख टन रहा। इस तरह भारत इस्पात का शुद्ध आयातक बना हुआ है।

स्मॉल व मिडकैप के शेयरों में गिरावट पर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं - माधबी पुरी

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शुक्रवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक को स्मॉल व मिडकैप के शेयरों में हाल में आई भारी

गिरावट पर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है। बुच ने पिछले वर्ष मार्च में इन्हीं शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन पर दिए गए अपने बयान का हवाला देते हुए कहा कि सेबी ने जब इसकी जरूरत महसूस की थी, तब उसने ऊंचे मूल्यांकन पर अपनी चिंता जाहिर की थी। उन्होंने यहां एएमएफआई के एक कार्यक्रम में कहा, '' मिडकैप और स्मॉलकैप के बारे में, मेरा मानना घ्है कि एक समय ऐसा आया जब नियामक को इस बारे में टिप्पणी करने की जरूरत महसूस हुई और टिप्पणी की गई। आज, नियामक को अतिरिक्त टिप्पणी करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हो रही है।'' बुच ने मार्च 2024 में नियामक की ओर से एक दुर्लभ टिप्पणी में दोनों खंडों में उच्च मूल्यांकन को लेकर चिंता जाहिर की थी। कुछ शेयरों में लगातार 20 प्रतिशत से अधि क की गिरावट आई है। इस बीच, बुच ने यह भी कहा कि नियामक का, 'फंड हाउस' के लिए हाल ही में शुरू की गई 250 रुपये की व्यवस्थित निवेश योजना को अनिवार्य बनाने का कोई इरादा नहीं है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे की बढ़त के साथ 86.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत

होकर 86.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण रुपये के थोड़े नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की आशंका है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में समग्र कमजोरी तेज गिरावट को कम कर सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.50 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 34 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.64 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.41 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.46 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,311.55 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आईसीसी टूर्नामेंट और शमी एक-दूजे के लिए बने, भारतीय पेसर का मुरीद हुआ यह विश्व विजेता खिलाड़ी

दुबई। भारत ने बांग्लादेश पर शानदार जीत दर्ज करके आईसीसी पुरुष चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की है। इस मैच के बाद, भारत के पूर्व क्रिकेटर और 2011 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे पीयूष चावला ने शुभमन गिल की जिम्मेदारी भरी पारी और मोहम्मद शमी की धारदार गेंदबाजी और अन्य महत्वपूर्ण पलों को लेकर अपने विचार रखे। भारत को अब चौंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को पाकिस्तान का सामना करना है। यह मैच भी दुबई में खेला जाएगा। पाकिस्तान के लिए यह करो या मरो वाला मुकाबला है। पीयूष ने कहा, श्यह एक प्रभावशाली पारी थी क्योंकि इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। जब आप इस तरह की विकेट पर लगभग 230 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो आपको ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है, जो अंत तक टिककर पारी संभाले और ठीक यही भूमिका शुभमन गिल ने निभाई। वह इस समय अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और जानते हैं कि कब संयम रखना है। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ बैटिंग की। यही गुण उन्हें इस भारतीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाता है। वह परिस्थितियों को समझते हैं और टीम को कब क्या चाहिए, यह भी उन्हें मालूम होता है।

उन्होंने कहा, श्मैच के दौरान ऐसे हालात भी बने, जब बस सिंगल और डबल्स लेकर स्ट्राइक रोटेट करने की जरूरत थी, तब उन्होंने बाउंड्री लगाने की कोशिश भी नहीं की, लेकिन स्कोर चलायमान रखा। इस तरह की समझदारी एक परिपक्व खिलाड़ी की निशानी है। अब जब वह उप–कप्तान भी हैं, तो आप उनसे इसी तरह भूमिका को अपनाने की उम्मीद करते हैं, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया। एक समय भारत की पारी फंसी हुई लग रही थी, क्योंकि उसने कुछ विकेट खो दिए थे। लेकिन जिस तरह से उन्होंने पारी को संभाला और अंत तक टिके रहे, वो देखना बहुत ही शानदार था।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा,

आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी– यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। ऐसा लगता है कि दोनों एक–दूजे बने हैं। जब भी वह आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एकदम अलग स्तर के गेंदबाज नजर आते हैं। आपको पता है कि वह चोट से वापसी कर रहे हैं और हाल ही में द्विपक्षीय सीरीज में उतने दमदार नहीं दिखे, लेकिन सकारात्मक संकेत यह था कि वह अपने कोटे के पूरे ओवर गेंदबाजी कर रहे थे। वह काफी बेहतर दिखाई दिए हैं। हमें अभी भी शमी का 100 प्रतिशत प्रदर्शन देखना बाकी है, लेकिन पांच विकेट लेने का कारनामा निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास में इजाफा करेगा।

पीयूष ने कहा, परिस्थितियों का आकलन करना महत्वपूर्ण होता है और उसी के अनुरूप शमी ने गेंदबाजी की। उन्हें मालूम था कि अपनी सीधी सीम के साथ गेंद को कहां पिच करना है। उन्होंने छह से आठ मीटर के निशान पर लगातार गेंदें डालीं, जिससे कि उन्हें पिच से मूवमेंट मिल सके। यही कारण है कि वह नई गेंद के साथ शुरुआत में विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने गेंदबाजी विविधता का इस्तेमाल किया। उन्हें अच्छी तरह से छिपी हुई धीमी गेंदें फेंकते हुए देखना शानदार था। पीयूष ने कहा, श्जब विराट बल्लेबाजी करने आए, तो उस समय ज्यादातर स्पिनर बॉलिंग कर रहे थे। स्पिनर्स को आमतौर पर वह बैकफुट पर खेलते हैं। लेकिन हाल के मैचों में, हमने उन्हें लेग स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते देखा है। वह अपनी पिछली पांच पारियों में से सभी में लेग स्पिनरों की गेंद पर आउट हुए हैं। हर टीम अपना होमवर्क करती है, इसलिए जब विराट बैटिंग करने के लिए मैदान पर उतरे, तो बांग्लादेश ने तुरंत अपने लेग स्पिनर रिशाद हुसैन को गेंद थमा दी। पीयूष ने कहा, श्उनका विकेट लेने का रिशाद को श्रेय जाता है, क्योंकि उन्होंने टाइट लाइन पर गेंदबाजी की और लगातार स्टंप्स की लाइन को पकड़ कर रखा। अन्य लेग स्पिनरों के विपरीत रिशाद हवा में तेजी से गेंद फेंकते हैं, क्योंकि वह ज्यादा फ्लाइट नहीं देते हैं। इससे बल्लेबाजों के पास शॉट खेलने का ज्यादा समय नहीं होता। जिस गेंद पर कोहली आउट हुए, वो कट शॉट खेलने के लिए बहुत वाइड नहीं थी, लेकिन अतिरिक्त गति और उछाल के कारण वह मिस टाइम कर गए। यहीं पर रिशाद का कौशल काम कर गया।

अकमल ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा, चैंपियंस ट्रॉफी छोड़ जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेलने को कहा

कराची। पाकिस्तान के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम को अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। न तो पाकिस्तान के गेंदबाज चले और न ही बल्लेबाजों ने दम दिखाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 320 रन बनाए। जवाब में मेजबान टीम 260 रन पर सिमट गई। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल ने मोहम्मद रिजवान एंड कंपनी को उनके खराब प्रदर्शन के लिए फटकार लगाई है। एआरवाई न्यूज से बातचीत में कामरान ने टीम पाकिस्तान को लताड़ लगाई और उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अयोग्य बताया।

कामरान ने कहा, जिम्बाब्वे और आयरलैंड की सीरीज हो रही

है, उधर जाएं। वहां जाकर खेलें और अगर हम वहां जीतते हैं तो हम चौंपियंस ट्रॉफी खेलने के लायक होंगे। यह पाकिस्तान क्रिकेट का हाल है। पिछले छह–सात वर्षों में हमारे क्रिकेट का स्तर काफी गिर गया है।श एक समय न्यूजीलैंड की टीम 73/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन विल यंग और टॉम लाथम के शतकों ने उन्हें 50 ओवरों में 320ध्5 तक पहुंचने में मदद की।

कामरान ने न्यूजीलैंड के परिपक्व क्रिकेट के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड शुरू में जूझता दिख रहा था। लेकिन आप उनकी परिपक्वता को देखें कि उन्होंने समय लिया, स्ट्राइक रोटेट की और पूरा नियंत्रण मिलने के बाद ही आक्रामक बल्लेबाजी शुरू की। एक परिपक्व टीम यही करती है। वे हमेशा एक बैकअप योजना के साथ आते हैं। उनके बल्लेबाज रचिन रवींद्र चोटिल हो गए और यहां तक कि उनकी जगह चुने गए विल यंग ने भी शतक बनाया। मैच के बाद पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि टीम ने कीवी के खिलाफ गलतियां कीं। रिजवान ने कहा, श्उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया। हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास कुछ देख रहे थे।

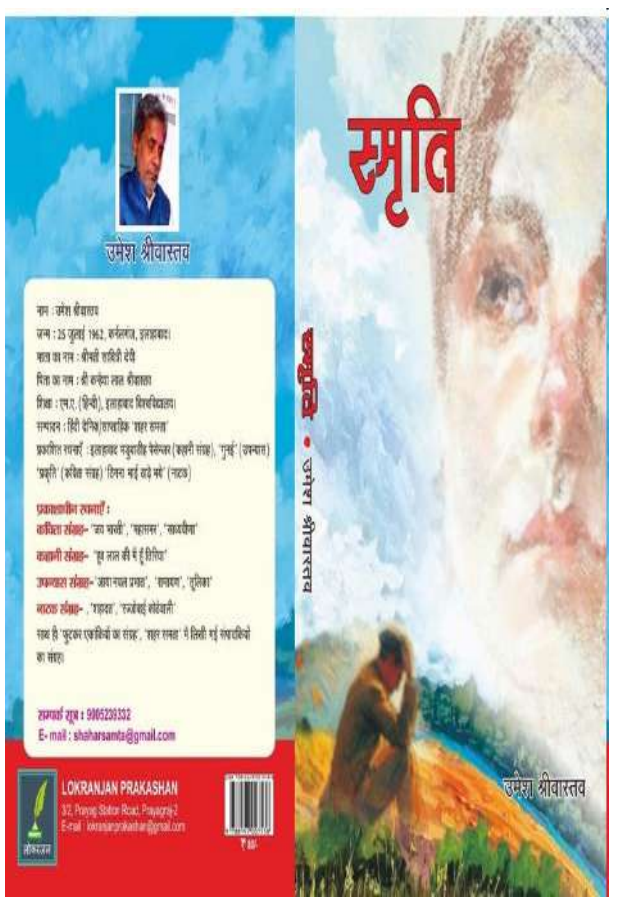

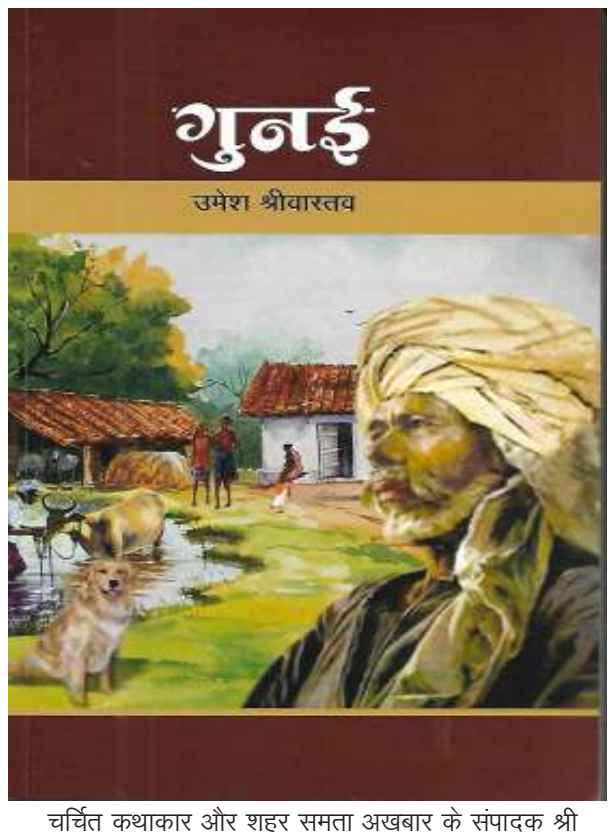

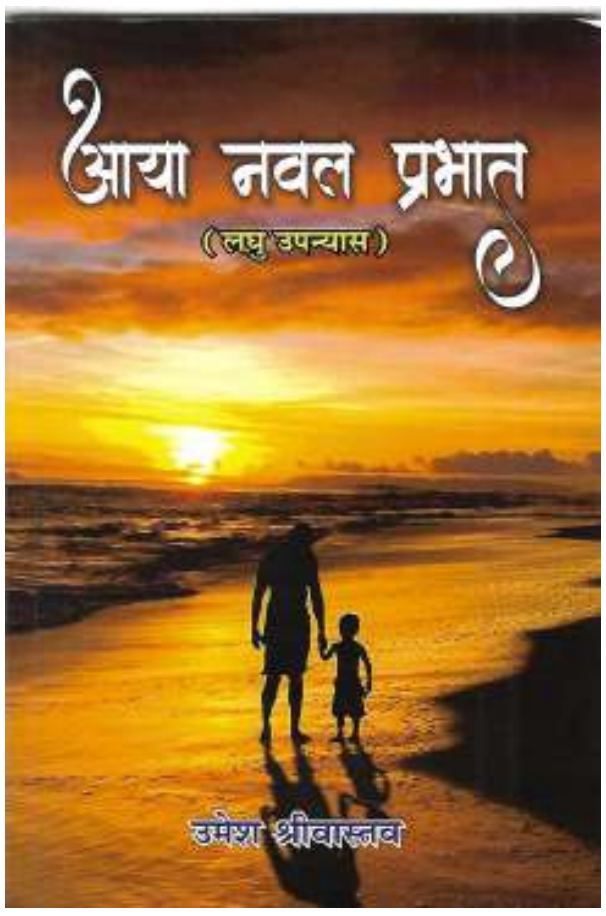

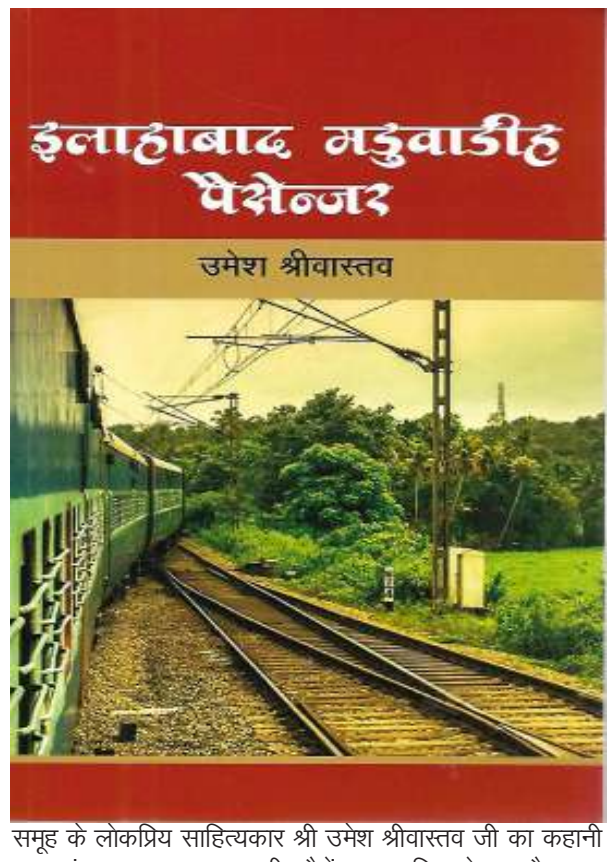

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

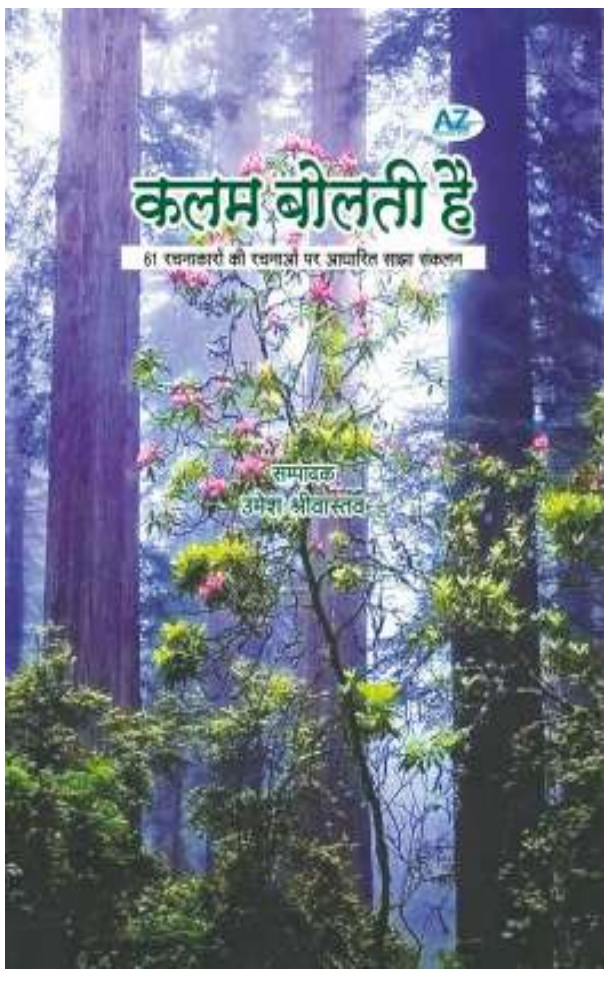

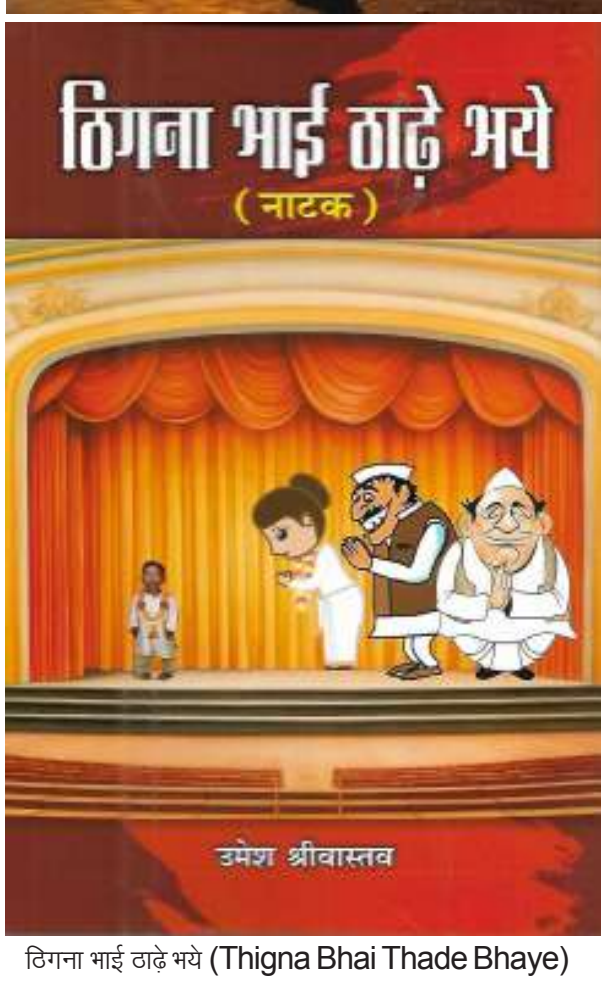

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पेजर की तरह फट पड़ी बसें! इजरायल के अलग–अलग इलाकों में बड़ा आतंकी हमला

डेढ़ बरस पहले 7 अक्टूबर को जंग से पहले एक ऐसे ही आतंकी हमले ने इजरायल और हमास के बीच जोरदार युद्ध का आगाज किया था। आज एक और तस्वीर पूरी दुनिया देख रही है। ऐसी तस्वीर इजरायल से सामने आई है जहां एक ही वक्त पर एक के बाद एक बसों में जोरदार धमाका हो गया।

इजरायल के तेल अवीव शहर में एक के बाद एक बसों में धमाका हुआ है। दो और बस इन धमाकों की चपेट में आते उससे पहले ही इजरायल प्रशासन ने इसके खिलाफ एक्शन लिया। इजरायली पुलिस ने दो अन्य बसों में लगे विस्फोट को भी निष्क्रिय कर दिया। ये धमाके बिल्कुल वैसे थे। जैसे लेबनान में पेजर धमाके हुए थे। लेबनान में भी एख के बाद एक धमाके हो रहे थे। लोगों के पास मौजूद पेजर अचानक फटने लगे थे। ठीक इसी तरह इजरायल के तेल अवीव शहर में अलग अलग स्थानों पर मौजूद बस अचानक फटने लगी। इन बसों में बम को कैसे लगाया गया? इसे लेकर अभी कोई जानकारी नहीं सामने आई है। पुलिस प्रवक्ता एएसआई अहरोनी ने चौनल 13 टीवी को बताया कि दो अन्य बसों में विस्फोटक पाए गए लेकिन उनमें विस्फोट नहीं हुआ। इजरायली पुलिस ने कहा कि पांचों बम एक जैसे थे और टाइमर से लैस थे, और कहा कि बम दस्ते बिना फटे बमों को निष्क्रिय कर रहे थे। शहर की मेयर त्जविका ब्रॉट ने कहा कि यह एक चमत्कार है कि किसी को चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि बसें अपना रूट पूरा करने के बाद खड़ी कर दी गई हैं। बस कंपनी के प्रमुख ने कहा कि उन्होंने तुरंत सभी बस चालकों को रुकने और गहन निरीक्षण करने का आदेश दिया। ओफिर कर्नी ने कहा, एक बार जब उन्हें सुरक्षित पाया गया तो उन्होंने अपना मार्ग फिर से शुरू कर दिया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि वह अपने सैन्य सचिव से अपडेट प्राप्त कर रहे हैं और घटनाओं पर नजर रख रहे हैं। पुलिस ने कहा कि शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी जांच का जिम्मा संभाल रही है। पुलिस प्रवक्ता हैम सरग्रोफ ने इजरायली टीवी को बताया, हमें यह निर्धारित करने की जरूरत है कि क्या एक ही संदिग्ध ने कई बसों में विस्फोटक रखे थे, या क्या कई संदिग्ध थे।

एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल के नाम पर मुहर

सीनेट ने बृहस्पतिवार को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक के रूप में काश पटेल के नाम पर मुहर लगा दी। सीनेट में हुए मतदान में पटेल ने मामूली अंतर से जीत हासिल कर देश की प्रमुख संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसी के शीर्ष पद पर नियुक्ति की दिशा में अपनी दावेदारी पुख्ता कर दी।

हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों को पटेल की योग्यता पर संदेह है

और उन्हें इस बात की चिंता है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर काम करेंगे तथा रिपब्लिकन राष्ट्रपति के विरोधियों के खिलाफ काम करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी की बहुमत वाली सीनेट में 51–49 के अंतर से एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल के नाम पर मुहर लगी। डेमोक्रेटिक पार्टी से सीनेटर डिक डर्बिन ने कहा, ''मैं इससे बदतर विकल्प की कल्पना नहीं कर सकता।'' रिपब्लिकन पार्टी से मेन की सीनेटर सुसान कोलिन्स और अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की ने हालांकि इसका विरोध किया। आर–आयोवा के सीनेटर और सीनेट न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष चक ग्रासली ने पटेल के नाम की पुष्टि से पहले कहा था, ''पटेल एक बार फिर एफबीआई को जवाबदेह बनाना और कानून प्रवर्तन के लिए एजेंसी की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा को वापस दिलाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह (पटेल) एफबीआई को कांग्रेस (अमेरिकी संसद), राष्ट्रपति और सबसे महत्वपूर्ण इसे उन लोगों के प्रति जवाबदेह बनाना चाहते हैं जिनकी वे सेवा करते हैं, अमेरिकी करदाता।'' डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने पिछले एफबीआई निदेशकों की तुलना में पटेल के प्रबंधन के अनुभव की कमी के बारे में शिकायत की थी और उनके (पटेल के) पिछले भड़काऊ बयानों का जिक्र किया था, जो उनके निर्णय को सवालों के घेरे में लाते हैं।

श्रीलंका में ट्रेन की टक्कर से छह हाथियों की मौत

सरकारी वन्यजीव विभाग के प्रवक्ता हसिनी सरथचंद्र ने बताया कि राजधानी कोलंबो से करीब 200 किलोमीटर दूर मिननेरिया के पास हुई टक्कर में हाथी के चार बच्चे और दो वयस्क हाथी मारे गए। यह इलाका अपने प्राकृतिक उद्यान और वन्यजीवों के लिए मशहूर है। स्थानीय टेलीविजन चौनलों पर दिखाई गई तस्वीरों में टक्कर के बाद ट्रेन का इंजन और कई डिब्बे पटरी से उतरे हुए नजर आए। रेलवे के एक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि दुर्घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। सरथचंद्र ने कहा कि वन्यजीव विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

अमेरिका नहीं रूस है अपना पक्का दोस्त, पुतिन के मंत्री की जयशंकर के कॉलर के पास हाथ लगाती तस्वीर क्यों होने लगी वायरल?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले अमेरिका के कितने भी दौरे कर लें। भले ही अमेरिका और भारत मिलकर साझेदारी को बढ़ाने की कितनी ही बात कर ले। भले ही भारत ये कह दे कि आने वाले समय में भारत अमेरिका से हथियार खरीदेगा। लेकिन इस बात को कोई झुठला नहीं सकता कि भारत की दोस्ती के लिहाज से उसके लिए सबसे बड़ी और सबसे पहली प्राथमिकता रूस की ही रहेगी। अब विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिका के दौरे पर गए थे। डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकातों का दौर हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद जब वो वापस भारत लौटे तो महज कुछ ही दिनों के अंदर एक और ऐसी मुलाकात हुई, जिसकी चर्चा अब पूरी दुनिया में है। अफ्रीका के जोहार्नबर्ग में इस समय जी–20 सम्मेलन का आगाज हो चुका है। जी–20 का ये सम्मेलन विदेश मंत्रियों के लिए है और यहां भारत–रूस के विदेश मंत्री भी पहुंचे। लेकिन जी20 से इतर रूस और भारत के विदेश मंत्रियों की हुई मुलाकात और उस मुलाकात से आई तस्वीर चर्चा का विषय बन रही है। लावरोव जयशंकर के कॉलर को टच करते नजर आ रहे हैं। बॉडीलैग्वेज बता रही है कि ये फॉर्मल टॉक से ज्यादा काफी इनफार्मल बातचीत हो रही है। दोनों की दोस्ती की कई तस्वीर और कई किस्से आपने कई बार सुने होंगे। कई बार तो डॉ. जयशंकर और लावरोव ने अपनी दोस्ती का जिक्र कई मंचों पर किया है। लेकिन फिलहाल बात इस बैठक की करते हैं।

यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा करने के लिए रियाद में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात के दो दिन बाद, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत की, जिन्होंने कहा कि उन्होंने रियाद में बैठक सहित ष्यूक्रेन संघर्ष से संबंधित विकासष पर चर्चा की और संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। लावरोव और जयशंकर की मुलाकात दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर हुई। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि भारत–रूस द्विपक्षीय सहयोग की निरंतर प्रगति की समीक्षा की। रियाद में उनकी मुलाकात सहित यूक्रेन संघर्ष से संबंधित हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की। संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने जोहान्सबर्ग में बातचीत की है। जयशंकर पिछले सप्ताह अमेरिका में थे और वहां से म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के लिए रवाना हुए थे।

15 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करने और यह कहने के एक दिन बाद कि भारत रूस–यूक्रेन युद्ध में शांति के पक्ष में है। जयशंकर ने म्यूनिख में यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से मुलाकात की थी और संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों पर चर्चा की थी। सिबिहा ने हमारी सार्थक मुलाकात के लिए जयशंकर को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम भारत के साथ संबंध विकसित करने और व्यापार, प्रौद्योगिकी, कृषि, सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने में रुचि रखते हैं। हम न्यायसंगत और स्थायी शांति लाने के लिए भारत की मजबूत वैश्विक आवाज पर भी भरोसा करते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

सामाजिक न्याय क्या है: इसे वास्तविकता बनाने में संयुक्त राष्ट्र किस तरह कर रहा है मदद?

अमेरिका। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, सामाजिक न्याय की परिभाषा है– राष्ट्रों के भीतर और उनके बीच शांतिपूर्ण एवं समृद्ध सह–अस्तित्व का एक मूलभूत सिद्धांत। इसके मायने ये हैं कि एक ऐसा विश्व जहां समाज, समानता और एकजुटता के सिद्धांतों पर आधारित हों, मानवाधिकारों को समझा जाए व महत्व दिया जाए और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा को मान्यता दी जाए। हाल के वर्षों में सामाजिक न्याय, सार्वजनिक बहस का एक अहम मुद्दा बन चुका है। इसे अक्सर समानता, मानवाधिकार और सामाजिक सुधारों की चर्चाओं में उठाया जाता है, लेकिन वास्तव में सामाजिक न्याय का अर्थ क्या है, और यह मुद्दा इतना महत्वपूर्ण क्यों है? संयुक्त राष्ट्र इस सिद्धांत को स्थापित करने के लिए कई तरीकों से काम करता है। इसमें अर्थिक असमानता घटाना, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना तथा मानवाधिकारों की रक्षा करना शामिल है। इसका उद्देश्य एक ऐसे विश्व का निर्माण करना है, जहां सर्वजन को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

सामाजिक न्याय सभी के लिए है, इसलिए संयुक्त राष्ट्र हाशिए पर रहने वाले विशिष्ट समुदायों शरणार्थियों, आदिवासियों और विकलांग व्यक्तियों और कमजोर समुदायों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देता है। सामाजिक न्याय के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं, जिन्हें हर साल 20 फरवरी को मनाए जाने वाले सामाजिक न्याय के विश्व दिवस संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, सामाजिक न्याय की परिभाषा है– राष्ट्रों के भीतर और उनके बीच शांतिपूर्ण एवं समृद्ध सह–अस्तित्व का एक मूलभूत सिद्धांत। इसके मायने ये हैं कि एक ऐसा विश्व जहां समाज, समानता और एकजुटता के सिद्धांतों पर आधारित हों, मानवाधिकारों को समझा जाए व महत्व दिया जाए और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा को मान्यता दी जाए।

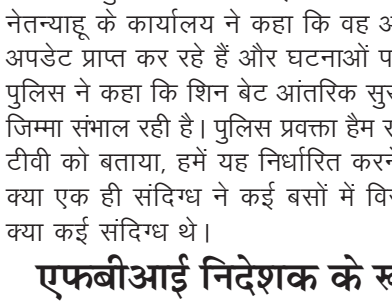

सामाजिक न्याय के पांच प्रमुख सिद्धांतों को अक्सर इस प्रकार परिभाषित किया जाता है– यह मानना कि विभिन्न लोगों की भिन्न–भिन्न आवश्यकताएं एवं परिस्थितियां होती है (समता), यह सुनिश्चित करना कि हर किसी को सफल होने के लिए आवश्यक संसाधनों व अवसरों तक पहुंच हासिल हो (पहुंच), सभी व्यक्तियों को अपने समुदायों के राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में भाग लेने का अवसर प्रदान करना (भागेदारी), सभी व्यक्तियों के मानव अधिकारों की सुरक्षा करना (अधिकार), और लोगों के बीच जाति, लिंग, तथा यौन प्राथमिकता जैसी भिन्नताओं को समझना व उनका सम्मान करना (विविधता)।

सामाजिक न्याय, संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण बुनियाद है। यह शांति, सुरक्षा और मानव अधिकारों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के मिशन का हिस्सा है और इसे 2030 के सतत विकास एजेंडा में शामिल किया गया है, जो शांति और समृद्धि का अंतरराष्ट्रीय खाका है। यह एजेंडा 17 महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में विभाजित है, जिन्हें अगले पांच वर्षों में हासिल करने की योजना है। कुछ प्रगति हुई है, विशेष रूप से अत्यधिक निर्धनता में कमी लाने और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के संदर्भ में, लेकिन फिलहाल ये लक्ष्य प्राप्ति से बहुत दूर हैं, लेकिन ये लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को ऐसे स्पष्ट एवं वस्तुनिष्ठ लक्ष्य उपलब्ध करने में मददगार साबित हुए हैं, जिनसे उनके नागरिकों का जीवन बेहतर हो सके।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सामाजिक न्याय को समर्थन देने का एक प्रमुख तरीका है– गरिमापूर्ण आय और परिस्थितियों वाले कामकाज और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देना। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (प्स्व्), इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (प्स्व्) का सम्मानजनक कामकाज सुनिश्चित करने का लक्ष्य, रोजगार सृजन, कार्यस्थल पर अधिकारों की गारंटी, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार तथा सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

न्यासंगत वेतन, कामकाज के लिए सुरक्षित परिस्थितियों, और जबरन मजदूरी व बाल मजदूरी खत्म करने की पैरोकारी करके, यह सुनिश्चित करता है कि विश्वभर के श्रमिकों के साथ गरिमा एवं सम्मान का बर्ताव किया जाए। सभ्य कामकाज को बढ़ावा देना, 2030 एजेंडा के सतत विकास लक्ष्यों में से एक है– यानि लक्ष्य 8, जो सतत विकास लक्ष्यों सर्वजन के लिए समावेशी एवं टिकाऊ आर्थिक विकास, रोजगार एवं सभ्य कामकाज को बढ़ावा देने की मांग करता है।

लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय का एक और महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। यह एक मौलिक मानव अधिकार है और एक स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है। UN Women, लैंगिक समानता और महिलाओं की मजबूती के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र संस्था है, जो महिलाओं व लड़कियों के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने, महिलाओं को सशक्त बनाने तथा लैंगिक समानता हासिल करने के लिए HeForShe अभियान और Spotlight Initiative जैसे अभियान चला रही है।

सतत विकास लक्ष्य, SDG 5 लैंगिक समानता और सभी महिलाओं व लड़कियों की मजबूती सुनिश्चित करने की मांग करता है– संयुक्त राष्ट्र के समर्थन से, बाल विवाह और महिला खतना जैसी समस्याओं में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन बहुत सी महिलाएं और लड़कियां अब भी अपनी आर्थिक व सामाजिक मजबूती के रास्ते में असीम चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

हालांकि हाल के वर्षों में बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की दर में थोड़ी प्रगति हुई है, फिर भी ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2030 तक लगभग 30 करोड़ बच्चों और युवजन के, गणित एवं साहित्य के बुनियादी कौशल से वंचित रह जाएंगे। शिक्षा, असमानताएं घटाने, लैंगिक समानता एवं सामाजिक न्याय हासिल करने का एक शक्तिशाली उपकरण है। संयुक्त राष्ट्र, सतत विकास लक्ष्य,"क्ळ 4 हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सर्वजन के लिए समावेशी व समता व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने तथा जीवन भर सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। संयुक्त राष्ट्र, शिक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहन देता है, जिसका उद्देश्य, सामाजिक न्याय की पैरोकारी के लिए युवाओं में सहिष्णुता, समझ व सहनशीलता का निर्माण करना है।

संयुक्त राष्ट्र का प्राथमिक उद्देश्य है, मानव अधिकारों की रक्षा, और इसकी सबसे बड़े उपलब्धियों में से एक है, सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा का मसौदा तैयार करना और इसे अपनाना, जिससे मानवाधिकार कानून की एक व्यापक व्यवस्था के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ। मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय, सर्वजन के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए काम करता है। साथ ही, मानवाधिकारों के उल्लंघनों की निगरानी व रिपोर्टिंग करता है, सरकारों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है, तथा मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के काम का समर्थन करता है। OHCHR का काम यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि सभी व्यक्ति, भेदभाव, हिंसा, और दमन से मुक्त जीवन जी सकें।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।